www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 192 || लखनऊ
मंगलवार
12 अक्टूबर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com
दैनिक
तमसा संकेत
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
मौसम
सूर्योदयः 06:04
सूर्यास्तः 05:40
अधिकतमः 33°00
न्यूनतमः 32°00


पेज 07

विशेष समाचार | आन्दोलन वही, जो सार्थक मुद्दा ...>> पेज 04 | यहां आने की वजह चुनाव नहीं... >>पेज 06 | आमिर खान की भांजी के साथ ...

कांग्रेस को नेतृत्व बदलना चाहिए : योगी

सपा को किसानों का श्राप ले डूबा, गोरखपुर में 9.18 लाख किसानों के खातों में 493 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। सीएम योगी ने कांग्रेस पर देश में अराजकता फैलाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपनी राजनीतिक विफलताओं को छिपाने के लिए अराजकता फैलाने से बाज नहीं आई तो जनता उसका बचा-खुचा राजनीतिक अस्तित्व भी समाप्त कर देगी। योगी ने कहा कि कांग्रेस को अपना नेतृत्व बदलना चाहिए। जिस नेतृत्व पर जनता का विश्वास नहीं रह गया है, उसे बदलने की आवश्यकता है। सपा पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि सपा सरकार में हुदहुद तूफान आया तो केंद्र ने किसानों की मदद के लिए 3,200 करोड़ रुपए दिए थे, लेकिन 800 करोड़ रुपए बांटकर बाकी रकम हड़प ली गई। किसानों का श्राप लगा और सपा सरकार चली गई। सीएम गोरखपुर में सोमवार को किसानों को राहत राशि बांटने के कार्यक्रम में पहुंचे थे। यहां से उन्होंने प्रदेश के 9.18 लाख किसानों के खातों में 493 करोड़ रुपए की राहत राशि ट्रांसफर की। यह रकम बाढ़, अतिवृष्टि, ओलावृष्टि और चक्रवात से फसलों को हुए नुकसान की भरपाई के लिए दी गई। इससे पहले मिशन शक्ति के छठे चरण के तहत जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में 500 से अधिक महिलाएं शामिल हुईं। सीएम योगी ने कहा कि मौसम की जानकारी देने के लिए अर्ली वार्निंग सिस्टम लगाया जा रहा है। 2017 से पहले आकाशीय बिजली गिरने से बड़ी संख्या में लोगों की मौत होती थी। अब कई जिलों में यह सिस्टम लगाया गया है, जो फोन के माध्यम से बिजली गिरने की सूचना देकर लोगों को सतर्क करता है।

>> (शेष पेज 06 पर)



योगी बोले- कांग्रेसी और समाजवादी लोग पैसा डकार जाते थे

सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस के समय केंद्र से 100 रुपए भेजे जाते थे, लेकिन नीचे तक पहुंचते-पहुंचते 15 रुपए रह जाते थे। बीच में कांग्रेसी और समाजवादी यह पैसा डकार जाते थे। अब प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री जो पैसा देते हैं, वह सीधे किसानों के खातों में जाता है। बीच में न पैसा घिसेगा और न कोई डकैती डाल पाएगा। पूरी रकम खाते में पहुंचेगी। सीएम ने कहा कि प्रशासन को बाढ़ से हुए कटान वाले इलाकों में तत्काल सहायता देने के निर्देश दिए गए हैं। इसके लिए अलग से धनराशि दी जा चुकी है। सड़क या किसी अन्य तरह का नुकसान हुआ है तो उसकी भरपाई के लिए भी पैसे की कमी नहीं है। भाजपा की डबल इंजन सरकार धनराशि उपलब्ध कराएगी। किसी नागरिक, युवा या व्यापारी को परेशान होने की जरूरत नहीं है। बीवीजी-रामजी के माध्यम से भी व्यवस्था की गई है कि कटान वाले क्षेत्रों में काम कराया जाए।

सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसानों के जीवन में खुशहाली लाने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। अब तक किसानों को करीब 1,000 करोड़ रुपए की सहायता उपलब्ध कराई जा चुकी है।

पिछली सरकारों से तीन गुना अधिक फसलों की खरीद का दावा

सूर्य प्रताप शाही ने पिछली सरकारों पर किसानों की अनदेखी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि योगी सरकार ने पहले की सरकारों की तुलना में तीन गुना धान, गेहूं और दूसरी फसलों की खरीद की है। ताकि किसानों को समय पर बीज, खाद और बिजली मिल सके।

योगी बोले- करीब 500 करोड़ रुपए किसानों के खातों में भेजे जा रहे

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक सप्ताह पहले बड़े पैमाने पर फसलें, जन और पशुधन का नुकसान हुआ था। डबल इंजन सरकार प्रभावित किसानों को फसल क्षति, जनहानि और मकानों के नुकसान का मुआवजा उपलब्ध करा रही है। इसी क्रम में 9 लाख 18 हजार 91 किसानों के खातों में करीब 500 करोड़ रुपए सीधे भेजे जा रहे हैं।



योगी बोले- हुदहुद चक्रवात का पैसा सपा सरकार ने हजम किया

सीएम योगी ने कहा कि 2014 में हुदहुद चक्रवात से काफी नुकसान हुआ था। उस समय भारत सरकार ने 3,200 करोड़ रुपए भेजे थे, लेकिन किसानों को सिर्फ 800 करोड़ रुपए ही मिल पाए। बाकी पैसा सपा सरकार के लोग हजम कर गए। किसानों का श्राप आज उन्हें ले डूबा। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा जाति के नाम पर समाज को बांटती है, लेकिन किसानों के पैसे पर डकैती डालती है। सीएम ने कहा कि 2017 में मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने हुदहुद चक्रवात से जुड़े मुआवजे की जांच कराई। जांच में पता चला कि किसानों को पूरा पैसा नहीं मिला था। इसके बाद अलग से धनराशि निकालकर करीब दो साल बाद किसानों के खातों में पैसा भेजा जा सका। उन्होंने कहा कि अच्छी सरकार आती है तो अच्छा काम करके जाती है। इससे पहले भी सरकार किसानों को फसल के नुकसान की भरपाई कर चुकी है।





पहली बार विपक्ष का सुप्रीम कोर्ट तक मार्च

नई दिल्ली। राहुल, प्रियंका, खड़गे के साथ अन्य विपक्षी सांसद सोमवार शाम अचानक सुप्रीम कोर्ट के अंदर पहुंचे। पहले विपक्षी सांसदों ने दिल्ली के बाराखंभा रोड से सुप्रीम कोर्ट की ओर मार्च निकाला था।

उन्हें 500 मीटर पहले रोक दिया गया था। यह पहली बार है जब विपक्षी नेताओं ने किसी मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट तक मार्च निकाला। SIR में गड़बड़ी के खिलाफ विपक्ष ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है, जिसमें राहुल गांधी, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव समेत 11 विपक्षी नेता याचिकाकर्ता हैं। मार्च के पहले राहुल गांधी ने 40 मिनट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें उन्होंने कहा था कि विपक्ष का मार्च शिवजी की बारात की तरह है, इसमें कोई भी शामिल हो सकता है। रविवार को विपक्षी सांसदों ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत को पत्र लिखा था और ज्ञापन सौंपने के लिए समय मांगा था।

फॉर्म-6 पर हमने कोई फैसला नहीं दिया : एससी

न हमारे सामने आया, न मंजूर किया ना ही नामंजूर किया

स्पष्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

पटना। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के दौरान इस्तेमाल हुए नए फॉर्म-6 को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को स्थिति स्पष्ट कर दी है। कोर्ट ने कहा कि उसने नए फॉर्म-6 पर कोई न्यायिक फैसला नहीं दिया है। इससे फॉर्म-6 को सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी मिलने के दावे पर सवाल खड़े हो गए हैं। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच बिहार SIR से जुड़ी याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि चुनाव आयोग ने फॉर्म-6 को सुप्रीम कोर्ट से मंजूरी मिलने की बात कही है। इस पर जस्टिस बागची ने कहा, "नए फॉर्म-6 पर कोई न्यायिक फैसला नहीं हुआ है। बिहार SIR मामले की सुनवाई के समय नए फॉर्म-6 का मुद्दा अदालत के सामने था ही नहीं।" इससे पहले 5 अक्टूबर को भी सुप्रीम कोर्ट ने एक अलग याचिका पर सुनवाई के दौरान स्पष्ट किया था कि उसने SIR में इस्तेमाल हो रहे फॉर्म-6 में किसी बदलाव को मंजूरी नहीं दी है।

>> (शेष पेज 06 पर)



कैंसर रोधी दवाओं पर 30% ट्रेड मार्जिन की सीमा

सुप्रीम कोर्ट ने पूछा- दूसरी दवाओं की कीमत पर रोक क्यों नहीं

सवाल

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कैंसर की दवाओं पर ट्रेड मार्जिन 30% तक सीमित करने के केंद्र के फैसले पर सवाल उठाए। कोर्ट ने कहा कि सरकार के जवाब में खुश होने जैसा कुछ नहीं है।

कोर्ट ने पूछा कि जब कैंसर की दवाओं पर मार्जिन तय किया जा सकता है, तो दूसरी दवाओं पर ऐसा क्यों नहीं किया जा सकता? केंद्र ने बताया कि इस फैसले से मरीजों को सालाना करीब 2,500 करोड़ रुपए की बचत होने की उम्मीद है। कोर्ट ने दवाओं की कीमत तय करने के तरीके पर जानकारी देने के लिए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता को 27 अक्टूबर तक का समय दिया।

>> (शेष पेज 06 पर)



11 रुपए की सलाइन 270 में बेची जा रही

कोर्ट ने कहा-

- सलाइन ड्रिप 270 रुपए में बेची जा रही है। इसकी असली कीमत 11 रुपए है।
- कार्डियक स्टेंट की कीमत करीब 5,000 रुपए है। अस्पताल इसे 25,000 रुपए से ज्यादा में बेचते हैं।
- एंटीबायोटिक एजीथ्रोमाइसिन 70 रुपए से ज्यादा में बेची जाती है। असली कीमत करीब 28 रुपए है।

फास्ट न्यूज

केरलम मिनी कूपर हादसे के बाद बोला ड्राइवर-पापा संभाल लेंगे

कोच्चि। केरलम के कोच्चि में तेज रफ्तार मिनी कूपर कार की टक्कर से तीन लोगों की मौत मामले में ड्राइवर का बयान सामने आया है। कोच्चि के नेदुम्बस्सेरी इलाके में रविवार रात मिनी कूपर कार ने स्कूटर को पीछे से टक्कर मार दी थी। हादसे में स्कूटर सवार तीन छात्रों की मौके पर ही मौत हो गई।

कम प्रदूषण वाले तरीके अपनाएं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली-NCR में पटाखों पर रोक लगाने की मांग पर सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि लोगों के स्वास्थ्य और धार्मिक भावनाओं के बीच संतुलन जरूरी है।

CJI सूर्यकांत की बेंच ने लोगों से कम प्रदूषण वाले तरीकों से त्योहार मनाने की अपील की। सुनवाई के दौरान एमिकस क्यूरी (न्याय मित्र) वरिष्ठ वकील अपराजिता सिंह ने कहा, अगर भगवानों को पता चले कि उनके नाम पर बच्चे पीड़ित हो रहे हैं और बीमार पड़ रहे हैं, तो वे भी हैरान रह जाएंगे। अगली सुनवाई 15 अक्टूबर को होगी।

सीजेपी का दिल्ली पुलिस को 24 घंटे का अल्टीमेटम

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी ने दिल्ली पुलिस को 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। उसने कहा कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की तारीख नहीं मिली तो फिर आंदोलन करेंगे।

CJP के सह-संयोजक आशुतोष रांका और सौरव दास सोमवार को प्रदर्शन की अनुमति मांगने पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन पहुंचे थे।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में बॉर्डर के पास धमाका

4 आतंकियों के मारे जाने का दावा, नियंत्रण रेखा पर सुरक्षा बढ़ाई गई

घुसपैठ

तमसा संकेत, एजेंसी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (LoC) के पास घुसपैठ की कोशिश के दौरान बारूदी सुरंग में विस्फोट होने से लश्कर-ए-तैयबा के एक शीर्ष कमांडर समेत चार आतंकियों के मारे जाने की खबर है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, आतंकियों का यह समूह सोमवार दोपहर बाद कृष्णा घाटी सेक्टर के नंगी टकरी इलाके में घुसपैठ की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान वे बारूदी सुरंगों वाले क्षेत्र में पहुंच गए, जिससे जोरदार विस्फोट हुआ। विस्फोट में चारों आतंकियों की मौके पर ही मौत हो गई। भारतीय सुरक्षा बलों ने पूरे सेक्टर में अलर्ट जारी कर दिया है। नियंत्रण रेखा पर निगरानी बढ़ा दी गई है, ताकि किसी भी संभावित सुरक्षा चूक को रोका जा सके।



नियंत्रित विस्फोट के जरिए बारूदी सुरंगों को नष्ट करते हुए सेना का विशेषज्ञ।

सरकार ने 33 साल पहले इजाजत दी थी, अन्ना आंदोलन, पहलवानों का प्रदर्शन, कॉकरोच पार्टी का धरना यहीं हुए

जंतर-मंतर पर धरना-प्रदर्शन बैन

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने की व्यवस्था में बदलाव की खबर सामने आई है। खबर के मुताबिक, केंद्र सरकार ने जंतर-मंतर को निर्धारित प्रदर्शन स्थलों की सूची से हटा दिया है। करीब 33 साल पहले जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थल के रूप में तय किया गया था। गृह मंत्रालय की कमेटी की सिफारिश पर अब रामलीला मैदान, बुराड़ी ग्राउंड और पूर्वी दिल्ली के सीबीडी ग्राउंड को प्रदर्शन स्थलों के रूप में निर्धारित किया गया है। जानकारी के मुताबिक, कॉकरोच जनता पार्टी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर रोक लगाने की मांग को लेकर सोमवार को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति मांगी थी। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने इसकी अनुमति देने से इनकार कर दिया। इसके बाद जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थल की सूची से हटाए जाने का मुद्दा चर्चा में आ गया है। दिल्ली का जंतर-मंतर लंबे समय से राजनीतिक और सामाजिक आंदोलनों का प्रमुख केंद्र रहा है। यहां अन्ना आंदोलन और पहलवानों के प्रदर्शन सहित कई बड़े आंदोलन हो चुके हैं। विभिन्न मुद्दों को लेकर राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और कार्यकर्ताओं ने यहां धरना-प्रदर्शन किए हैं। खबर के अनुसार, कॉकरोच जनता पार्टी ने 20 जून से 25 जुलाई तक NEET पेपर लीक के मुद्दे पर तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था। यह प्रदर्शन 36 दिनों तक चला। इस दौरान एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक भी भूख हड़ताल पर बैठे थे। खबर में दावा किया गया है।



गृह मंत्रालय ने विरोध-प्रदर्शन और धरना आयोजित करने के लिए वैकल्पिक स्थानों की पहचान करने के उद्देश्य से एक कमेटी बनाई थी। समिति की सिफारिशों के बाद रामलीला मैदान, बुराड़ी ग्राउंड और सीबीडी ग्राउंड नाम तय किए। यहां के लिए एसओपी अलग से जारी की जाएगी।

जंतर-मंतर से संसद तक पहुंच गए थे प्रदर्शनकारी, 5 वजहें

- जंतर-मंतर को प्रदर्शन की जगहों से हटाने के पीछे की वजह नहीं बताई गई है। लेकिन, माना जा रहा है कि संसद से सिर्फ 1.5 km दूरी इसकी सबसे बड़ी वजह है।
- जून-जुलाई में हुए कॉकरोच पार्टी के धरने के दौरान प्रदर्शनकारी संसद के नजदीक पहुंच गए थे। उन्हें रोकने के लिए दरवाजे बंद करने पड़े थे।
- एक बार फिर कॉकरोच पार्टी अब यहां प्रदर्शन के लिए मंजूरी मांग रही है। यहां तक की राहुल समेत विपक्ष भी जंतर-मंतर पर धरना देने की तैयारी में है।
- रामलीला मैदान भी संसद से करीब 3-4 किमी दूर है, जबकि बुराड़ी और CBD मैदान शहर के दूसरे हिस्सों में हैं।
- 9 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने भी जंतर-मंतर के विकल्प के तौर पर ऐसी बड़ी जगह तलाशने की बात कही थी, जहां पानी, टॉयलेट और मेडिकल जैसी सुविधाएं हों।

प्रेस कॉन्फ्रेंस : वह अपराधी नहीं, उनसे गड़बड़ी कराई जा रही, वे इस्तीफा देकर रास्ते से हटें

ज्ञानेश कुमार के मैसेज आते हैं : राहुल

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने सोमवार को दावा किया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने उनसे बात करने की कई बार कोशिश की है। दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक सवाल के जवाब में राहुल बोले- हां उनके मैसेज आते हैं। ज्ञानेश कुमार यह प्रेस कॉन्फ्रेंस देख रहे हैं। मैं उनसे कहना चाहता हूं आप अपराधी नहीं है, आपसे बस करवाया गया है। सबसे आसान रास्ता है कि इस्तीफा दो और रास्ते से हट जाओ। राहुल ने सुप्रीम कोर्ट तक मार्च निकालने से पहले 30 मिनट प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। इसी में एक पत्रकार ने उनसे सवाल किया कि लोग चुनाव आयोग की बात करते हैं, आप सीधा ज्ञानेश कुमार पर आरोप लगाते हैं। क्या कभी उन्होंने आप से बात करने की कोशिश की। राहुल ने कहा- ये हिंदुस्तान की जनता की इन्पॉर्टेंस हैं। देश के हर युवा से कह रहा हूं कि ये आपके फ्यूचर, आपकी इज्जत की लड़ाई है। अगर आप नहीं आ सकते तो शाम को जब सुप्रीम कोर्ट के सामने होंगे, तब हमें सॉलिडेरिटी दिखाइए। जिस भी तरीके से ये कर सकते हैं, अपना एक्सप्रेशन करिए। बताइए कि जो हो रहा है, हम उसके खिलाफ हैं। हम ये नहीं होने देंगे। हुल ने कहा- ये हिंदुस्तान की जनता की इन्पॉर्टेंस हैं। देश के हर युवा से कह रहा हूं कि ये आपके फ्यूचर, आपकी इज्जत की लड़ाई है। अगर आप नहीं आ सकते तो शाम को जब सुप्रीम कोर्ट के सामने होंगे, तब हमें सॉलिडेरिटी दिखाइए। जिस भी तरीके से ये कर सकते हैं, अपना एक्सप्रेशन करिए। बताइए कि जो हो रहा है, हम उसके खिलाफ हैं। हम ये नहीं होने देंगे।



हमें लगातार विरोध करते रहना है

राहुल ने कहा कि एक दिन हमें पुलिस ने रोका, जंतर-मंतर पर पुलिस ने रोका, आज भी रोकेंगे। आपको लगता है कि क्या एक दिन की बात है। ये मत सोचिए कि 5 दिन पहले शुरू हुआ था। सालों से हमें रोका जा रहा है, अब दिख रहा है। उन्होंने कहा कि आप सोच रहे हो कि हमारे लिए मुश्किल है। पुलिस हमें मार रही है। जितना आप थक रहे हो, उतना पुलिस थक रही है। पुलिस कह रही है कि हम ज्ञानेश कुमार को क्यों बचा रहे हैं। पेशेंस और पर्सीवरेंस, लगे रहना है। हम करेंगे, वे रोकेंगे, हमें लगे रहना है। जितने दिन लगेंगे, एक महीने, दो महीने, साल...हम पीछे नहीं हटेंगे।

राहुल ने कहा- दिल्ली को जेल बना दिया गया है। ये पुलिस वाले डिस्टर्ब हैं। ये कह रहे हैं कि हमसे युवाओं को क्यों पिटवाया जा रहा है। वे कह रहे हैं कि युवाओं को रोकने को कहा जा रहा है।

दिल्ली में प्रदर्शन मेरा मुद्दा नहीं : सीजेआई

राहुल को लेटर में लिखा- सुप्रीम कोर्ट में लंबित मुद्दों पर मुझसे चर्चा न्यायिक मर्यादा के खिलाफ

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में CEC ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन और पाबंदियों पर CJI सूर्यकांत ने सोमवार को कहा- ये मेरा मुद्दा नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे सभी के लिए खुले हैं और कोई भी आम नागरिक या निर्वाचित जनप्रतिनिधि याचिका दाखिल कर सकता है। CJI विज्ञान भवन में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) के स्थापना दिवस कार्यक्रम में पहुंचे थे।

इस बीच, CJI का वह लेटर भी सामने आया जो उन्होंने रविवार को INDIA ब्लॉक के नेताओं को मुलाकात से इनकार करने के लिए लिखा था। इसमें उन्होंने कहा कि विपक्ष जिन मुद्दों पर चर्चा करना चाहता है, वे पहले से सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन हैं। ऐसे में इनपर मीटिंग करना न्यायिक मर्यादा और नैतिकता के खिलाफ होगा। INDIA ब्लॉक के नेताओं ने CEC ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर CJI को लेटर लिखकर मुलाकात का समय मांगा था।



पुण्यतिथि पर सपा प्रमुख ने दी श्रद्धांजलि, बोले- महंगाई रोकने के लिए समाजवादी सरकार में लागू करेंगे दाम बांधो नीति

लोहिया के विचारों से ही आएगी समानता और खुशहाली

कार्यक्रम

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी चिंतक डॉ. राममनोहर लोहिया की पुण्यतिथि पर समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय समेत प्रदेश के सभी जिलों में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किए गए। लखनऊ में मुख्य कार्यक्रम गोमतीनगर स्थित डॉ. राममनोहर लोहिया पार्क में हुआ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने डॉ. लोहिया की आदमकद प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया।



इस अवसर पर अखिलेश यादव ने कहा कि डॉ. राममनोहर लोहिया ने जीवनभर भेदभाव और अन्याय के खिलाफ संघर्ष किया। वह ऊंच-नीच की भावना के विरोधी थे और समाज में समानता तथा खुशहाली चाहते थे। उन्होंने समाजवादी सिद्धांतों को आगे बढ़ाया और सप्तक्रांति का नारा दिया। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के संविधान, डॉ. लोहिया के समाजवादी विचारों और नेताजी मुलायम सिंह यादव के संघर्षों को साथ लेकर समतामूलक समाज बनाने के लिए काम कर रही है। पार्टी इन महापुरुषों के सपनों को पूरा करने और समाज में समृद्धि तथा समानता लाने के लिए प्रतिबद्ध है।कार्यक्रम में सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल, सांसद आरके चौधरी, विधायक रविदास मेहरोत्रा, पूर्व एमएलसी डॉ. मधु गुप्ता और समाजवादी शिक्षक सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. बी. पांडेय समेत कई नेताओं ने डॉ. लोहिया की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। अखिलेश यादव ने लोहिया पार्क के निर्माण और हरियाली का उल्लेख करते हुए कहा कि नेताजी मुलायम सिंह यादव ने डॉ. लोहिया के नाम पर शानदार पार्क बनवाया था। इसमें पौधरोपण पर विशेष ध्यान दिया गया और पेड़ों को काटे बिना नए पौधे लगाए गए।

> वहीं, लखनऊ मध्य क्षेत्र के विधायक एवं पूर्व मंत्री रविदास मेहरोत्रा ने गोमतीनगर स्थित डॉ. राममनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में भी डॉ. लोहिया की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान संस्थान के डॉक्टरों और सपा कार्यकर्ताओं ने भी उन्हें श्रद्धांजलि दी।



महंगाई रोकने के लिए लागू करेंगे दाम बांधो नीति

सपा प्रमुख ने कहा कि आज देश में आर्थिक असमानता चरम पर है। कुछ लोग अत्यधिक अमीर हैं, जबकि बड़ी संख्या में लोग अपनी जरूरतों का सामान तक नहीं जुटा पा रहे हैं। रोजगार के अवसरों की कमी और लगातार बढ़ती महंगाई ने आम लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। ऐसे समय में देश को समाजवादी समाज और समाजवादी सरकार की सबसे ज्यादा जरूरत है। उन्होंने कहा कि डॉ. लोहिया ने आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर नियंत्रण के लिए दाम बांधो नीति की मांग की थी। समाजवादी सरकार बनने पर जरूरत की वस्तुओं को इस नीति के दायरे में लाकर महंगाई पर अंकुश लगाने का प्रयास किया जाएगा, ताकि कोई भी मनमाना मुनाफा न कमा सके।

एएनएम कर्मियों ने घेरा डिप्टी सीएम का आवास

बोलीं- 6 दिन से प्रदर्शन कर रहे

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में सोमवार को संविदा और आउटसोर्सिंग पर कार्यरत महिला एएनएम कर्मियों ने डिप्टी सीएम के आवास का घेराव किया। महिलाएं आवास के बाहर सड़क पर बैठकर अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करने लगीं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने प्रदर्शनकारी महिलाओं को वहां से हटाकर इको गार्डन भेज दिया। महिला एएनएम कर्मी पिछले छह दिनों से लखनऊ में लगातार प्रदर्शन कर रही हैं। उनका आरोप है कि कई दिनों से आंदोलन करने और डिप्टी सीएम बृजेश पाठक को कई बार ज्ञापन सौंपने के बावजूद उनकी समस्याओं पर सुनवाई नहीं हो रही है। इसी के विरोध में वे सोमवार को उनके आवास का घेराव करने पहुंचीं। प्रदर्शनकारी महिला एएनएम कर्मियों



की प्रमुख मांग सभी संविदा एएनएम कर्मचारियों को स्थायी करने की है। इसके साथ ही वे समान काम के लिए समान वेतन और गृह जनपद में तैनाती की मांग कर रही हैं। उनका कहना है कि लंबे समय से सेवा देने के बावजूद उन्हें स्थायी कर्मचारियों जैसी सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। महिला कर्मियों ने स्वास्थ्य बीमा और नियमित ईपीएफ (EPF) अंशदान की भी मांग उठाई। इसके अलावा कार्यस्थल पर शिकायतों के निस्तारण के लिए विशाखा कमेटी गठित करने की मांग की है।

फास्ट न्यूज

आईटीआई संस्थानों में पांचवें राउंड का एडमिशन शुरू

लखनऊ। यूपी के सरकारी ITI संस्थानों में सत्र 2026-27 की खाली सीटों पर एडमिशन के लिए पांचवें चरण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। अभ्यर्थियों को 13 से 15 अक्टूबर तक अपना रैंक कार्ड संबंधित जनपद के राजकीय ITI में जमा करना होगा। चयन प्रक्रिया 16 अक्टूबर तक पूरी कर ली जाएगी। विशेष सचिव और राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद के अधिशासी निदेशक अभिषेक सिंह ने इस संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

जेसीबी की टक्कर से जीजा-साली की मौत

लखनऊ। लखनऊ में सोमवार शाम स्कूटी सवार जीजा-साली को जेसीबी ने टक्कर मार दी। हादसे में दोनों की मौत हो गई। टक्कर के बाद पुलिस ने दोनों को गंभीर हालत मे ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान दोनों ने दम तोड़ दिया। हादसे के बाद जेसीबी ड्राइवर मौके से फरार हो गया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी के माध्यम से तलाश कर रही है। घटना आलमबाग के मवैया तिराहे की है। मृतकों की पहचान पुराना सरदारी खेड़ा निवासी शफीकुल हसन (62) और उनकी साली वसीम जहां उर्फ रानी (52) के रूप में हुई है। शाफिकुल हसन की घर से थोड़ी दूर पर पुरानी मस्जिद के पास मीट की दुकान है।

छात्र को 9 घंटे हॉस्टल में बंधक बनाकर पीटा

लखनऊ। लखनऊ के बीबीडी थाना क्षेत्र में एक छात्र ने युवती और उसके पांच साथियों पर मारपीट कर बंधक बनाने का आरोप लगाया है। पीड़ित के मुताबिक, उसे हॉस्टल में बुलाकर चोरी का झूठा आरोप लगाया गया। इसके बाद आरोपियों ने गाली-गलौज की और कांच की बोतल, चाकू, कैंची, लोहे की रॉड और हाथ में पहने जाने वाले कड़े से हमला कर दिया।

जियो-बीपी ने पेट्रोल पांच और डीजल तीन रुपये प्रति लीटर महंगा किया

- जियो-बीपी के पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़े, पेट्रोल पांच और डीजल तीन रुपये महंगा

तमसा संकेत, संवाददाता



नई दिल्ली। निजी क्षेत्र की ईंधन कंपनी जियो-बीपी ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की है। कंपनी ने पेट्रोल के दाम में पांच रुपये प्रति लीटर और डीजल में तीन रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की है। नई दरें 11 अक्टूबर की सुबह छह बजे से लागू हो गई हैं। कीमतों में बढ़ोतरी के बाद हरियाणा में जियो-बीपी के आउटलेट पर पेट्रोल की कीमत करीब 109.80 रुपये और डीजल की कीमत 97.75 रुपये प्रति लीटर पहुंच गई है। रिलायंस इंडस्ट्रीज और ब्रिटेन की ऊर्जा कंपनी बीपी के संयुक्त उद्यम जियो-बीपी के इस फैसले से वाहन चालकों की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। पेट्रोल की कीमत में पांच रुपये और डीजल में तीन रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी से निजी वाहन चालकों के साथ ही माल ढुलाई और परिवहन क्षेत्र की लागत भी बढ़ सकती है।हालांकि, यह बढ़ोतरी जियो-बीपी के आउटलेट पर लागू दरों से संबंधित है। इसे देशभर में सभी पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि नहीं माना जाना चाहिए। अन्य तेल विपणन कंपनियों के पंपों पर कीमतें अलग हो सकती हैं। वाराणसी और उत्तर प्रदेश के अन्य जिलों में जियो-बीपी के पेट्रोल पंपों पर नई दरें क्या हैं, इसकी अलग से पुष्टि आवश्यक है।

लखनऊ में यूपीआई भुगतान पर प्रस्तावित एमडीआर का विरोध

सरोजनी नगर, लखनऊ। लखनऊ के सरोजनीनगर में हाइडिल से स्कूटर इंडिया तक मार्केट में सोमवार को समाजवादी व्यापार सभा के जिला संगठन ने यूपीआई भुगतान पर प्रस्तावित 0.04 प्रतिशत एमडीआर (मर्चेंट डिस्काउंट रेट) शुल्क के विरोध में पैदल मार्च निकालकर प्रदर्शन किया। संगठन के पदाधिकारियों ने हाथों में बैनर व विरोध संबंधी तख्तियां लेकर थाली-चम्मच बजाए। केंद्र सरकार से प्रस्तावित शुल्क पर पुनर्विचार करने की मांग की। जिलाध्यक्ष संजय यादव के नेतृत्व में व्यापारियों और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की मंशा और समाजवादी व्यापार सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष जगन अग्रवाल की सहमति से प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जायसवाल के निर्देश पर यह प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा 15 अक्टूबर 2026 से यूपीआई भुगतान पर प्रस्तावित शुल्क लागू किए जाने के विरोध में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

सीएम योगी के विजन के अनुरूप गो आधारित उत्पादों को बाजार से जोड़ने की तैयारी

प्रदेश के सभी 75 जिलों में खुलेंगे पंचगव्य के आउटलेट

- गोपालकों और किसानों के लिए बढ़ेंगे रोजगार के अवसर
- दूध, दही, घी, गोमूत्र और गोबर से तैयार होंगे उत्पाद
- पूजा सामग्री से जैविक खाद और पर्यावरण अनुकूल वस्तुओं तक गो आधारित उद्योगों को मिलेगा बढ़ावा

तमसा संकेत, संवाददाता



लखनऊ। उत्तर प्रदेश में गो आधारित उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने और इनसे जुड़े रोजगार के अवसर बढ़ाने की दिशा में प्रदेश के सभी 75 जिलों में आउटलेट खोलने की योजना है। योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से गोपालकों, किसानों और ग्रामीण उद्यमियों को अपने उत्पादों की बिक्री के लिए नया माध्यम मिलेगा। इससे पशुपालन को केवल दूध उत्पादन तक सीमित रखने के बजाय गोवंश से प्राप्त अन्य उपयोगी उत्पादों के व्यावसायिक इस्तेमाल की संभावनाएं भी बढ़ेंगी। दूध, दही, घी, गोमूत्र और गोबर से अलग-अलग श्रेणियों के उत्पाद तैयार कर उसे आउटलेट के जरिए उपलब्ध कराया जाएगा। डेयरी उत्पादों के अलावा गोबर से जैविक खाद, हवन सामग्री, धूपबत्ती, अगरबत्ती, दीये, गोबर से गमले और सजावटी वस्तुएं भी तैयार की जाएंगी। सीएम योगी के विजन के अनुरूप गो आधारित पर्यावरण-अनुकूल वस्तुओं के निर्माण को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। ऐसे उत्पादों के लिए व्यवस्थित बाजार विकसित होने पर ग्रामीण क्षेत्रों में उत्पादन, प्रसंस्करण, पैकेजिंग और बिक्री से जुड़े छोटे उद्यमों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि गो आधारित उत्पादों को व्यापक श्रेणियों में आउटलेट पर रखा जाएगा।

गोपालकों से ग्रामीण उद्यमियों तक खुलेंगे अवसरों के द्वार

गो आधारित उत्पादों के कारोबार का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसमें अलग-अलग स्तर पर लोगों की भागीदारी होगी। गोपालक और किसान दूध, गोबर तथा अन्य उपलब्ध संसाधनों की आपूर्ति करेंगे, जबकि स्थानीय उद्यमी इनसे उपयोगी उत्पाद तैयार करने, उनकी पैकेजिंग और विपणन का काम संभाल सकते हैं। स्वयं सहायता समूहों और ग्रामीण उत्पाद निर्माताओं के लिए भी इस क्षेत्र में अवसर विकसित किए जाएंगे। इससे स्थानीय स्तर पर तैयार वस्तुओं को व्यापक बाजार तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे व्यवसायों के विकास की संभावनाएं बनेंगी।

इनका राजनीतिक धरातल खिसक गया है, इसलिए उल्टे बयान दे रहे

राजभर को लड़ने की जमीन नहीं मिल रही : सपा प्रदेश अध्यक्ष

श्रद्धांजलि

- सपा प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने कहा- राजभर का राजनीतिक धरातल खिसक गया है, इसलिए वह इस तरह के बयान दे रहे हैं।

तमसा संकेत, एजेंसी



कानपुर । कानपुर में सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने ओम प्रकाश राजभर के उस बयान पर पलटवार किया, जिसमें उन्होंने अखिलेश यादव को अपनी विधानसभा सीट जहूराबाद से चुनाव लड़ने की चुनौती दी थी। पाल ने कहा कि राजभर का राजनीतिक धरातल खिसक गया है, इसलिए वह इस तरह के बयान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिन मुद्दों को लेकर सरकार सत्ता में आई थी, उन पर वह विफल रही है। ऐसे नेताओं को चुनाव लड़ने के लिए जमीन नहीं मिल पा रही है, इसलिए वे इस तरह की बयानबाजी कर

'संविधान में आरक्षण की व्यवस्था प्रभावी ढंग से लागू नहीं'

श्याम लाल पाल ने कहा कि लोकतंत्र और संविधान खतरे में हैं। संविधान में लोगों को आगे बढ़ने के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गई है, लेकिन सरकार इसे प्रभावी ढंग से लागू करने में असफल रही है। दिल्ली में CJP और विपक्ष के प्रदर्शन को लेकर उन्होंने भाजपा पर निशाना साधा।

> पाल ने आरोप लगाया कि भाजपा ने वोट चोरी के जरिए लोकतंत्र की हत्या करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि अब आम जनता भाजपा के खिलाफ आ चुकी है और उसे बख्शेगी नहीं। पाल ने कहा- इन्होंने जब भगवान राम को नहीं बख्शा, तो वे देश को क्या बख्शेंगे।



रविवार रात पूर्व मुख्यमंत्री के पुण्यतिथि काव्यांजलि कार्यक्रम में पहुंचे थे, सपा प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल।

पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की पुण्यतिथि पर आयोजित कवि सम्मेलन में शामिल हुए। कार्यक्रम में कवियों ने अपनी रचनाओं और काव्य पंक्तियों के माध्यम से मुलायम सिंह यादव को श्रद्धांजलि दी।

एलडीए के प्लॉट-फ्लैट के लिए 3 बैंकों से मिलेगा लोन

रजिस्ट्रेशन वाला पैसा भी बैंक कर्ज में देंगे

तमसा संकेत, एजेंसी



लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण (LDA) की संपत्तियों (प्लॉट-फ्लैट) के लिए 3 बैंकों से लोन मिल सकेगा। LDA ने नए बैंक BOI से भी करार कर लिया है। अब सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के अलावा बैंक ऑफ इंडिया से भी सुविधा मिल सकेगी। ग्राहकों को इन बैंकों से प्लॉट-फ्लैट का लोन कराने से पहले लगने वाली रजिस्ट्रेशन फीस का पैसा भी मिल जाएगा। स सुविधा से उन लोगों को राहत मिलेगी, जिनके पास एक साथ पूरी रकम जमा करने के लिए पैसे नहीं होते हैं।

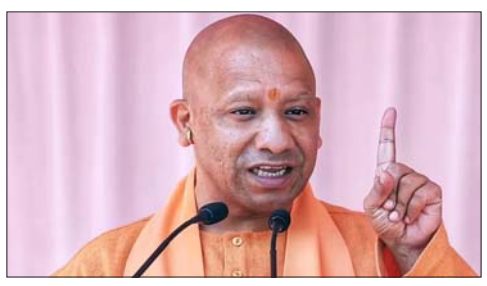
LDA के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि बैंक ऑफ इंडिया के साथ एमओयू होने के बाद आवेदकों को लोन लेने के लिए एक और विकल्प मिल गया है। वरुण विहार योजना में बैंक ऑफ इंडिया की शाखा भी संचालित हो रही है।

अब तक बैंक संपत्ति आवंटित होने के बाद आवंटन पत्र के आधार पर बाकी रकम जमा करने के लिए लोन देते थे। लेकिन रजिस्ट्रेशन के समय जमा की जाने वाली रकम के लिए यह सुविधा नहीं थी। ऐसे में जिन लोगों के पास रजिस्ट्रेशन की पूरी रकम नहीं होती थी, उनके लिए LDA की योजनाओं में आवेदन करना मुश्किल हो जाता था। नई व्यवस्था के तहत अब आवेदक रजिस्ट्रेशन की रकम जमा करने के लिए भी बैंक से लोन ले सकेंगे। इससे उन्हें एक साथ पूरी रकम का इंतजाम नहीं करना पड़ेगा।

योजना : 2030 तक 5-6 लाख युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित करने का लक्ष्य

योगी सरकार की औद्योगिक नीति को मिली नई ताकत

तमसा संकेत, संवाददाता



नोएडा/लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश को देश-दुनिया के प्रमुख निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में नोएडा औद्योगिक विकास का नया केंद्र बनकर उभर रहा है। योगी सरकार की निवेश-अनुकूल नीतियों, बेहतर कानून-व्यवस्था, मजबूत कनेक्टिविटी और विश्वस्तरीय औद्योगिक इंफ्रास्ट्रक्चर का असर अब नोएडा के विस्तार की महत्वाकांक्षी योजना के रूप में दिखाई दे रहा है। औद्योगिक मांग में लगातार बढ़ोतरी को देखते हुए प्राधिकरण लगभग 20 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में 'न्यू नोएडा' विकसित करने की तैयारी कर रहा है। नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी कृष्णा करुणेश के अनुसार, इस विस्तार से औद्योगिक एवं व्यावसायिक गतिविधियों को नई गति मिलने के साथ वर्ष 2030 तक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 5 से 6 लाख युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित करने का लक्ष्य है। वहीं, आगामी पांचवीं ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी) में नोएडा अथॉरिटी के करीब 35 हजार करोड़ के 120 प्रोजेक्ट शामिल होंगे। इसमें डेटा सेंटर, इलेक्ट्रॉनिक्स, वाणिज्यिक रियल एस्टेट, लॉजिस्टिक्स और संस्थागत विकास से जुड़ी परियोजनाएं शामिल हैं। न्यू नोएडा के विकास से औद्योगिक गतिविधियों के लिए अतिरिक्त भूमि उपलब्ध होगी और नए निवेशकों को आधुनिक औद्योगिक आधारभूत सुविधाएं मिल सकेंगी। इससे विनिर्माण, तकनीक, लॉजिस्टिक्स और अन्य उभरते क्षेत्रों में निवेश को और गति मिलने की उम्मीद है। मुख्य कार्यपालक अधिकारी के अनुसार, आगामी पांचवें ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी) में नोएडा से जुड़े करीब 35 हजार करोड़ के 120 प्रोजेक्ट्स धरातल पर उतरेंगे। इनमें डेटा सेंटर, इलेक्ट्रॉनिक्स, वाणिज्यिक रियल एस्टेट, लॉजिस्टिक्स और संस्थागत विकास से जुड़ी परियोजनाएं शामिल हैं।

औद्योगिक विस्तार को मिलेगी नई दिशा

प्राधिकरण के सीईओ करुणेश ने बताया कि वर्ष 1976 में दिल्ली के निकट औद्योगिक नगरी के रूप में स्थापित नोएडा आज उत्तर भारत के प्रमुख आर्थिक केंद्रों में शामिल है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से निकटता, बेहतर बुनियादी ढांचे और मजबूत कनेक्टिविटी के कारण यहां विनिर्माण, सूचना प्रौद्योगिकी और वाणिज्यिक गतिविधियों में लगातार निवेश बढ़ा है। मौजूदा शहरी क्षेत्र में भूमि की उपलब्धता सीमित होने के कारण अब 'न्यू नोएडा' के विकास की तैयारी की जा रही है। इसके लिए जल्द ही चरणबद्ध तरीके से भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। साथ ही राज्य सरकार मौजूदा नोएडा क्षेत्र में अतिरिक्त फ्लोर एरिया रेशियो (एफएआर) की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए नीतिगत विकल्पों पर भी काम कर रही है।

- आगामी जीबीसी में शामिल होंगे नोएडा अथॉरिटी के 35 हजार करोड़ के 120 प्रोजेक्ट
- निवेश और रोजगार के नए केंद्र के रूप में विकसित होगा न्यू नोएडा, औद्योगिक विस्तार को मिलेगी नई रफ्तार
- योगी सरकार के निवेश-अनुकूल माहौल का असर, डेटा सेंटर, इलेक्ट्रॉनिक्स और लॉजिस्टिक्स सेक्टर में बढ़ेगी गतिविधियां

योगी सरकार की शादी अनुदान योजना से ओबीसी परिवारों को राहत

वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तक एक लाख से ज्यादा आवेदन प्राप्त हुए

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। आर्थिक रूप से कमजोर ओबीसी परिवारों की बेटियों के विवाह में सहायता के लिए संचालित शादी अनुदान योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तक एक लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें से 53 हजार से अधिक पात्र लाभार्थियों को आर्थिक सहायता प्रदान की जा चुकी है। योगी सरकार की इस पहल से जरूरतमंद परिवारों को बेटी के विवाह के दौरान होने वाले खर्च में राहत मिल रही है। सरकार का उद्देश्य पात्र परिवारों को समयबद्ध सहायता उपलब्ध कराकर बेटियों के सम्मानजनक विवाह में सहयोग देना है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में योजना के तहत 1 लाख 5 हजार पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए 210 करोड़ रुपये का वार्षिक लक्ष्य रखा गया है। अब तक योजना के अंतर्गत 1,09,697 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 53,546 लाभार्थियों को योजना का लाभ दिया जा चुका है। इन लाभार्थियों को कुल 107.092 करोड़ रुपये की धनराशि का भुगतान किया गया है। शादी अनुदान योजना के तहत प्रत्येक पात्र परिवार को बेटी के विवाह के लिए 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। यह राशि सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में भेजी जाती है। योजना का लाभ उन परिवारों को मिलता है, जिनकी वार्षिक आय एक लाख रूपये तक है। विवाह के समय लड़की की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और लड़के की न्यूनतम आयु 21 वर्ष निर्धारित की गई है। योजना की आवेदन प्रक्रिया में दिव्यांग, विधवा, दैवीय आपदा से प्रभावित और भूमिहीन परिवारों को प्राथमिकता दी जाती है। इससे योजना का लाभ उन परिवारों तक पहुंचाने पर विशेष जोर है, जिन्हें विवाह के खर्च को पूरा करने में अधिक आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

- 210 करोड़ रुपये के वार्षिक लक्ष्य के सापेक्ष अब तक 107.092 करोड़ रुपये की सहायता वितरित
- पात्र परिवारों को बेटी के विवाह के लिए सीधे बैंक खाते में मिल रहे 20 हजार रुपये
- एक लाख रुपये तक वार्षिक आय वाले परिवारों को योजना का लाभ, विशेष वर्गों को प्राथमिकता

सुबह चौकी पर बेसुध पड़ी मिली महिला, अस्पताल में डॉक्टरों ने किया मृत घोषित

आंगन में बेहोश मिली 25 वर्षीय विवाहिता

मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। बघौली थाना क्षेत्र के सारीपुर गांव में सोमवार सुबह एक 25 वर्षीय विवाहिता संदिग्ध परिस्थितियों में आंगन में बेहोश मिली। परिजन आनन-फानन में उसे लेकर मेडिकल कॉलेज पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने सुबह 8:01 बजे जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर विवाहिता के मायके वाले भी अस्पताल पहुंच गए। बेटी का शव देखकर उसकी मां बदहवास हो गईं। परिवार में मातम छा गया। फिलहाल महिला की मौत की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। मायके वालों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चलेगा और उसी के आधार पर आगे की विधिक



कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने शव का पंचनामा भरवाकर मामले में आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। बताया गया कि सीमा अपने पीछे पति नंदकिशोर और दो मासूम बच्चों को छोड़ गई हैं। इनमें ढाई साल का पीयूष और डेढ़ साल का हर्ष शामिल हैं। मां की अचानक मौत से दोनों बच्चे भी परिवार के बीच चर्चा का केंद्र बने रहे। घटना के बाद परिजनों को महिला की मौत की असल वजह जानने के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है। मायके पक्ष ने अभी किसी तरह की आशंका को लेकर स्पष्ट आरोप नहीं लगाया है। ऐसे में मौत की परिस्थितियों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस की जांच के बाद ही चल सकेगा।

सुबह आंगन में चौकी पर बेसुध मिली विवाहिता

ग्राम सारीपुर निवासी मजदूर नंदकिशोर के अनुसार, सोमवार सुबह करीब 4:30 बजे वह और उनकी पत्नी सीमा राठौर उठे थे। इसके बाद सीमा अपने डेढ़ वर्षीय छोटे बेटे हर्ष को लघुशंका कराने के बाद बिस्तर पर लिटाने चली गईं। फिर वह घर के रोजमर्रा के कामकाज में जुट गईं। कुछ देर बाद नंदकिशोर दोबारा सो गए। नंदकिशोर ने बताया कि सुबह करीब छह बजे जब उनकी आंख खुली तो उन्होंने सीमा को घर के आंगन में रखी चौकी पर बेसुध पड़ा देखा। पत्नी की हालत देखकर उन्होंने शोर मचाया, जिसके बाद परिवार के अन्य सदस्य मौके पर पहुंच गए। परिजन बिना देर किए निजी वाहन से सीमा को मेडिकल कॉलेज ले गए। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद सुबह 8:01 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया। अचानक हुई इस घटना से परिवार के लोग स्तब्ध रह गए। सीमा की मौत की जानकारी मिलने पर उनके मायके पक्ष के लोग भी मेडिकल कॉलेज पहुंच गए। मृतका का मायका बघौली थाना क्षेत्र के पटकुइयां गांव में है। अस्पताल में बेटी का शव देखकर मां फूलमती बदहवास हो गईं। अन्य परिजनों का भी रो-रोकर बुरा हाल रहा। परिवार में शोक का माहौल है।

> **मृतका के भाई कौशल किशोर ने बताया कि फिलहाल परिवार की ओर से किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही सीमा की मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी। रिपोर्ट के आधार पर ही परिवार आगे की विधिक कार्रवाई को लेकर निर्णय करेगा।**

जेएनयू यौन उत्पीड़न मामले पर भाजपा महिला मोर्चा का प्रदर्शन

उन्नाव में कांग्रेस ऑफिस का घेराव कर शीर्ष नेतृत्व की चुप्पी पर उठाए सवाल

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में 11 छात्राओं के कथित यौन उत्पीड़न के मामले को लेकर सोमवार सुबह 11 बजे भाजपा महिला मोर्चा ने उन्नाव में 'नारी शक्ति हुंकार आंदोलन' के तहत रोष मार्च निकाला। शास्त्री प्रतिमा, बड़ा चौराहा स्थित बाबूगंज से शुरू हुआ मार्च कांग्रेस जिला मुख्यालय पहुंचा, जहां महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं और भाजपा पदाधिकारियों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस कार्यालय का घेराव किया। प्रदर्शनकारियों ने मामले को लेकर कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की चुप्पी पर सवाल उठाए और पार्टी पर महिलाओं के सम्मान के मुद्दे पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया। भाजपा महिला मोर्चा ने 'महिलाओं के सम्मान में, नारी



शक्ति मैदान में' के नारे के साथ प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और न्याय के मुद्दे पर राजनीतिक दलों को स्पष्ट रुख अपनाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि महिलाओं से जुड़े गंभीर मामलों में कांग्रेस का रवैया उसकी कथनी और करनी के अंतर को उजागर करता है। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ नारेबाजी कर विरोध जताया गया। भाजपा महिला मोर्चा की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार, प्रदर्शन का उद्देश्य जेएनयू प्रकरण में कथित यौन उत्पीड़न के मामले और उससे जुड़े राजनीतिक घटनाक्रम को लेकर कांग्रेस नेतृत्व को घेरना था। महिला मोर्चा ने इस मामले में जवाबदेही तय करने की मांग उठाई। प्रदर्शन में भाजपा संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर किसी भी तरह की राजनीतिक चुप्पी स्वीकार नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने कांग्रेस पर महिला सशक्तीकरण के दावों और व्यवहार में अंतर होने का आरोप लगाते हुए विरोध दर्ज कराया। भाजपा महिला मोर्चा के इस आंदोलन के जरिए जिले में महिला सुरक्षा और राजनीतिक जवाबदेही का मुद्दा उठाया गया। कांग्रेस जिला मुख्यालय पर घेराव के दौरान कार्यकर्ताओं ने अपनी मांगों और नाराजगी को लेकर आवाज बुलंद की।

फास्ट न्यूज

गोवंश से टकराकर घायल व्यवसायी की कानपुर में मौत

उन्नाव। उन्नाव के बीघापुर कोतवाली क्षेत्र के सराय पंसरिया गांव के 60 वर्षीय बर्तन व्यवसायी ज्ञान सिंह पटेल की कानपुर हैलेट अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हुई।

8 अक्टूबर को वे उन्नाव जा रहे थे, तभी अचलगंज थाना क्षेत्र के बेथर गांव के पास उनकी बाइक छुट्टा गोवंश से टकरा गई। हादसे में सिर में गंभीर चोट आई।

पुलिस ने मिशन शक्ति के तहत स्कूल-गांव में चलाया अभियान

उन्नाव। उन्नाव पुलिस 'मिशन शक्ति' अभियान के तहत महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता के लिए जागरूकता कार्यक्रम चला रही है। सोमवार को अचलगंज और बारासगवर थाना टीमों ने स्कूल और गांवों में ऐसे कार्यक्रम किए। पुलिस ने छात्राओं और महिलाओं को उनके अधिकार, सरकारी योजनाएं और साइबर अपराधों से बचाव के तरीके बताए। टीमों ने बातचीत कर समस्याएं सुनीं और लोगों से कहा कि किसी भी अप्रिय घटना पर बिना डरे पुलिस से संपर्क करें।

कलेक्ट्रेट में आत्मदाह की कोशिश पर एक हफ्ते बाद एफआईआर

उन्नाव। उन्नाव के कलेक्ट्रेट परिसर में आत्मदाह की कोशिश के मामले में एक हफ्ते बाद FIR दर्ज की गई है। सदर कोतवाली पुलिस ने यह रिपोर्ट दर्ज की है। सदर तहसील के लेखपाल प्रमोद कुमार द्विवेदी की शिकायत पर गांव के मोहन पुत्र गोकर्ण नाथ उर्फ भोंदू के खिलाफ मुकदमा लिखा गया है। एडीएम राजस्व व वित्त सुशील कुमार गोंड ने बताया कि ऐसा कोई भी कदम न उठाएं, जो समस्या है।

फतेहपुर में 16,500 किसानों को मिली फसल क्षतिपूर्ति राशि

फतेहपुर में 16,500 किसानों को मिली फसल क्षतिपूर्ति राशि

तमसा संकेत, एजेंसी

फतेहपुर। फतेहपुर, बाराबंकी में प्राकृतिक आपदा से हुए फसल नुकसान की भरपाई के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विधायक सार्केंद्र प्रताप वर्मा ने बताया कि क्षेत्र के 16,500 प्रभावित किसानों को कुल चार करोड़ 64 लाख रुपये की फसल क्षतिपूर्ति राशि दी जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर से प्रदेश के प्रभावित किसानों के बैंक खातों में यह धनराशि ट्रांसफर की। विधायक सार्केंद्र प्रताप वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार किसानों के हितों के लिए लगातार काम कर रही है। प्राकृतिक आपदाओं से किसानों की फसलों को होने वाले नुकसान की भरपाई करना सरकार की प्राथमि-



कताओं में शामिल है। उन्होंने बताया कि इस सहायता राशि से किसानों को राहत मिलेगी और उन्हें नुकसान से उबरने में मदद मिलेगी। विधायक ने कम समय में सहायता पहुंचाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार भी जताया। कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी कार्तिकेय सिंह, तहसीलदार वैशाली अहलावत, भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और क्षेत्र के किसान मौजूद रहे। अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने इस कदम को प्राकृतिक आपदा से प्रभावित परिवारों के लिए राहत भरा बताया।

भोर पहर से दुर्गा मंदिरों में भक्तों की भीड़, फूल-मिठाई से मां का पूजन कर भक्तों ने मांगी मनोकामना

मां ब्रह्मचारिणी के दर्शन को उमड़े श्रद्धालु, मंदिरों में लगी लंबी कतारें

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। शारदीय नवरात्र के दूसरे दिन सोमवार को मां ब्रह्मचारिणी की पूजा-अर्चना के लिए उन्नाव के देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। शहर के राजधानी मार्ग स्थित श्री दुर्गा मंदिर में भोर पहर से ही भक्तों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। मां के दर्शन के लिए श्रद्धालु लंबी कतारों में खड़े नजर आए। मंदिर परिसर में सुबह से ही माता के जयकारे गूंजते रहे। भक्तों ने विधि-विधान से मां ब्रह्मचारिणी की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि और मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए प्रार्थना की। नवरात्र को देखते हुए मंदिरों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। रंग-बिरंगी रोशनी और भक्ति गीतों से पूरा



वातावरण भक्तिमय बना रहा। नवरात्र को लेकर शहर के मंदिरों में पहले से ही साफ-सफाई, रंगरोगन और सजावट की गई थी। मंदिरों के मुख्य द्वारों पर रंग-बिरंगी झालरें लगाई गईं, जबकि परिसर के अंदर टिमटिमाती रोशनी ने सजावट को और आकर्षक बना दिया। मां के दरबार को भी भव्य रूप से सजाया गया था, जहां पहुंचकर श्रद्धालु भक्तिभाव से पूजा-अर्चना करते नजर आए।

> **पुलिस की ओर से समय-समय पर संदिग्ध व्यक्तियों की तलाशी भी ली गई, ताकि मंदिरों में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। नवरात्र के दौरान मंदिरों में दर्शन-पूजन के लिए बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने के कारण सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया गया। मां ब्रह्मचारिणी की पूजा के साथ उन्नाव के मंदिरों में दिनभर धार्मिक उत्साह और भक्ति का माहौल बना रहा।**

भोर पहर से लगी कतारें, फूल-मिठाई से किया पूजन

राजधानी मार्ग स्थित श्री दुर्गा मंदिर में मां ब्रह्मचारिणी के दर्शन के लिए श्रद्धालु तड़के ही पहुंचने लगे। जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया, मंदिर में भक्तों की भीड़ बढ़ती गई। श्रद्धालु फूल, मिठाई और प्रसाद से सजी डलियां लेकर मां के दरबार में पहुंचे और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। भक्तों ने मां को भोग लगाकर परिवार की खुशहाली और सुख-समृद्धि की कामना की। नवरात्र का व्रत रखने वाले श्रद्धालुओं ने मां ब्रह्मचारिणी की आराधना की और दुर्गा सप्तशती का पाठ कर देवी से आशीर्वाद मांगा।

कंचना माई और झंडेश्वरी देवी मंदिर में भी उमड़ी भीड़

शहर के अन्य प्रमुख देवी मंदिरों में भी नवरात्र के दूसरे दिन श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। कंचननगर स्थित कंचना माई मंदिर, पोनी रोड स्थित मां झंडेश्वरी देवी मंदिर, महेश मार्ग स्थित मां सिद्धिदात्री मंदिर और गांधीनगर स्थित काली मंदिर में भक्तों ने पूजा-अर्चना की। इसके अलावा नगर और ग्रामीण क्षेत्रों के विभिन्न दुर्गा मंदिरों में भी श्रद्धालुओं ने पहुंचकर मां के दर्शन किए। मंदिरों में सुबह से ही पूजा-पाठ का दौर चलता रहा। श्रद्धालुओं ने नारियल, चुनरी, फूल और प्रसाद अर्पित कर देवी की आराधना की। कई भक्तों ने उपवास रखकर मां ब्रह्मचारिणी की पूजा की। नवरात्र के अवसर पर मंदिरों में धार्मिक गतिविधियों के चलते पूरे शहर में उत्सव जैसा माहौल दिखाई दिया।

हरदोई में सपा कार्यकर्ताओं ने मनाई डॉ. लोहिया की पुण्यतिथि

कार्यकर्ताओं ने नमन किया, विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटने का आह्वान

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर सोमवार दोपहर 1:30 बजे डॉ. राममनोहर लोहिया की पुण्यतिथि मनाई गई। कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया और उनके बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता निवर्तमान जिला अध्यक्ष शराफत अली ने की। शराफत अली ने डॉ. लोहिया को महान युगपुरुष बताते हुए कहा कि उन्होंने समाजवाद के लिए आंदोलन किए, जेल गए और गरीबों के अधिकारों की आवाज उठाई। सपा नेता अखिलेश पाठक ने भी उन्हें गरीबों का मसीहा बताया। इसी दौरान सपा प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल का जन्मदिन भी उत्साह के साथ मनाया



गया। कार्यकर्ताओं ने केक काटकर एक-दूसरे को मिठाई खिलाई। शराफत अली ने कहा कि विधानसभा चुनाव के लिए सभी कार्यकर्ता जुट जाएं और अपने-अपने क्षेत्रों में पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाएं। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष अजय सिंह पाल, अमित बाजपेई, राहुल गुप्ता, जिला महासचिव चंद्रशेखर पाल, प्रदेश सचिव डॉ. अरुण मौर्य, सूरज वर्मा, महिला प्रदेश सचिव पूनम सरोज, प्रदीप राजवंशी, नगर अध्यक्ष रियासत राजा, राम यादव, विधानसभा अध्यक्ष संतोष वर्मा, शाहिद अहमद, मनोज शुक्ला, अशोक बाबू यादव, महावीर यादव, नरसिंह यादव, हारुन अंसारी, सुरेंद्र यादव, आशीष पाठक, संदीप वर्मा, नवीन यादव, पुष्पेंद्र यादव और देशराज यादव समेत कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बाराबंकी में 11 महीने जेल में रहा था, मृतका के पिता समेत गवाह आरोपों से मुकर गए

पत्नी की मौत के मामले में 6 साल बाद दोषमुक्त



> **16 जुलाई 2020 को उसकी पत्नी रामकली उर्फ रेखा देवी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी।**

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में पत्नी की आत्महत्या के मामले में करीब 11 महीने जेल में बिताने वाले रामसनेहीघाट क्षेत्र के रामू रावत को छह साल बाद अदालत से बड़ी राहत मिली है। अपर सत्र न्यायाधीश असद अहमद हाशमी की अदालत ने मामले की सुनवाई पूरी होने के बाद साक्ष्यों के आधार पर रामू को दोषमुक्त कर दिया।

मुकदमे में अहम मोड़ तब आया, जब मृतका के पिता समेत अन्य गवाह अभियोजन के आरोपों की पुष्टि नहीं कर सके। रामू रावत (49) पुत्र सतगुरु, रामसनेहीघाट क्षेत्र के करौंधिया मजरे सुनौली गांव का निवासी है।



साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने किया दोषमुक्त

मामले की सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों का परीक्षण किया और रामू को दोषमुक्त करार दिया। अदालत के फैसले से छह साल पुराने मामले में उसे बड़ी राहत मिली।

> **मुकदमे की सुनवाई के दौरान मृतका के पिता माताफेर अपने पूर्व के बयान से मुकर गए। उन्होंने अदालत में कहा कि उनसे तहरीर लिखवाकर अंगूठा लगवा लिया गया था, लेकिन उसमें क्या लिखा था, यह उन्हें पढ़कर नहीं सुनाया गया। उन्होंने यह भी कहा कि रामू उनकी बेटी को कभी परेशान नहीं करता था।**

पिता के जेल जाने के बाद परिजनों ने संभाली बच्चों की जिम्मेदारी

रामू के दो बेटे हैं। बड़ा बेटा रमन करीब 17 साल का और छोटा बेटा अमन करीब 15 साल का है। रामू के जेल जाने के बाद दोनों बच्चों की परवरिश परिवार के अन्य सदस्यों ने की। परिवार में रामू का भाई श्यामू समेत अन्य सदस्य हैं। दोनों भाई मजदूरी करके परिवार का भरण-पोषण करते हैं। अब अदालत से दोषमुक्त होने के बाद रामू को छह साल पुराने मुकदमे में राहत मिली है।

कार्यक्रम : खातों में पहुंचे 4 करोड़ रुपये, डीएम बोले- सर्वे के बाद दी गई मदद

उन्नाव के 10 हजार किसानों को मिली बाढ़ से राहत

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में बाढ़ और अतिवृष्टि से फसलों को हुए नुकसान के बाद जिले के किसानों को राहत देने की प्रक्रिया तेज हो गई है। सोमवार सुबह 11 बजे कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित कार्यक्रम में जिले के 10 हजार प्रभावित किसानों के खातों में करीब चार करोड़ रुपये की सहायता राशि हस्तांतरित की गई। प्रदेश स्तर पर मुख्यमंत्री द्वारा राहत राशि हस्तांतरित किए जाने के क्रम में जनपद स्तर पर भी कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें डीएम घनश्याम मीणा, सदर विधायक पंकज गुप्ता सहित प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी और किसान शामिल हुए। डीएम घनश्याम मीणा ने बताया कि जिले में बाढ़ और अतिवृष्टि से प्रभावित किसानों को राहत देने के लिए तहसील स्तर पर



सर्वे कराया गया था। सर्वे के दौरान नुकसान का आकलन कर पात्र किसानों को चिह्नित किया गया। इसके बाद संबंधित किसानों का विवरण तैयार कर पोर्टल पर फीडिंग की गई। सोमवार को करीब 10 हजार किसानों के खातों में लगभग चार करोड़ रुपये की धनराशि हस्तांतरित की गई। उन्होंने कहा कि प्रभावित किसानों को राहत उपलब्ध कराने के लिए प्रशासन ने तेजी से प्रक्रिया पूरी की है। सदर विधायक पंकज गुप्ता ने कहा कि पिछले दिनों जिले समेत पूरे प्रदेश में बाढ़ की स्थिति बनी थी। इसके बाद लगातार चार दिनों तक हुई अतिवृष्टि से किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचा। प्रभावित किसानों की समस्याओं को देखते हुए प्रशासन ने सर्वे कराकर नुकसान और पात्र किसानों की सूची तैयार की। इसके बाद राहत राशि खातों में भेजने की प्रक्रिया शुरू की गई। विधायक ने कहा कि उनके 36 साल के राजनीतिक करियर में इतनी कम अवधि में इतनी बड़ी संख्या में किसानों को एक साथ राहत राशि दिए जाने का यह पहला अनुभव है।

उन्होंने किसानों की चिंता करने और उन्हें आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया। विधायक पंकज गुप्ता ने बताया कि उनकी विधानसभा क्षेत्र के करीब 25 गांवों में बाढ़ के कारण गंभीर समस्याएं सामने आई थीं। कुछ स्थानों पर अब भी हालात पूरी तरह सामान्य नहीं हुए हैं।

उन्होंने कहा कि प्रभावित किसानों को मुआवजा देने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। प्रशासन की ओर से सर्वे में सामने आए किसानों के विवरण की समीक्षा कर सहायता राशि उपलब्ध कराई जा रही है।

जिले में राहत राशि का हस्तांतरण किसानों को फसल नुकसान से उबरने में मदद देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। प्रशासन के अनुसार, बाढ़ और अतिवृष्टि से प्रभावित पात्र किसानों को चिह्नित कर सहायता देने की कार्रवाई की गई है।

पुलिस ने मिशन शक्ति के तहत स्कूल-गांव में चलाया अभियान

छात्राओं और महिलाओं को सुरक्षा के उपाय, अधिकार और सरकारी योजनाएं बताईं

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव पुलिस 'मिशन शक्ति' अभियान के तहत महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता के लिए जागरूकता कार्यक्रम चला रही है। सोमवार को अचलगंज और बारासगवर थाना टीमों ने स्कूल और गांवों में ऐसे कार्यक्रम किए। पुलिस ने छात्राओं और महिलाओं को उनके अधिकार, सरकारी योजनाएं और साइबर अपराधों से बचाव के तरीके बताए। टीमों ने बातचीत कर समस्याएं सुनीं और लोगों से कहा कि किसी भी अप्रिय घटना पर बिना डरे पुलिस से संपर्क करें। अचलगंज टीम ने एसएवी इंटर कॉलेज में छात्राओं को छेड़छाड़ या उत्पीड़न पर चुप न रहने की



सलाह दी। उन्हें 1090, 112, 181, 1098 और 1930 जैसे हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई। साथ ही, कन्या सुमंगला, निराश्रित महिला पेंशन और मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह जैसी योजनाओं के बारे में भी बताया। बारासगवर टीम ने ग्राम गया बख्श खेड़ा, हुबलाल इंटर कॉलेज टेढ़ा और चंद्रिका माता मंदिर में कार्यक्रम किए। यहां भी महिलाओं को हेल्पलाइन नंबरों और कन्या सुमंगला, निराश्रित महिला पेंशन, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि सहित कई सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

सम्पादकीय

आर्थिकी को नई धार देने की कोशिश



हाल में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में आयोजित 57वीं वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की बैठक में जीएसटी को सरल एवं बेहतर बनाने के लिए बड़े बदलाव किए। ये बदलाव करीब एक साल पहले जीएसटी दरों और स्लैब को कम करने के लिए गए उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों के बाद अब जीएसटी व्यवस्था में सुधार को नई धार देते हुए दिखाई दे रहे हैं। जीएसटी परिषद के नए फैसले पंजीकरण, टैक्स रिटर्न, रिफंड, इनपुट टैक्स क्रेडिट (आइटीसी), कर प्रवर्तन, निर्यात, विवाद निपटान और विभिन्न प्रदेशों के बीच वस्तुओं की आवाजाही से जुड़े नियमों को सरल और लाभप्रद बनाने से संबंधित हैं। वस्तुतः यह पूरी कवायद, व्यापार सुगमता (ईज आफ डूइंग बिजनेस) और कर अनुपालन के सरलीकरण पर केंद्रित हैं।

उल्लेखनीय है कि जीएसटी परिषद ने कर अधिकारियों की गिरफ्तारी की शक्तियों को समाप्त करने और अभियोजन की सीमा को बढ़ाए जाने की ऐतिहासिक सिफारिश की है। इससे 'कर आतंक' का डर खत्म होगा और ईमानदारी से व्यापार करने वालों का भरोसा बढ़ेगा। परिषद ने आइटीसी और रिफंड की प्रक्रियाओं को बेहद तेज और पारदर्शी बनाने का निर्णय लिया है। इससे व्यवसायों के पास नकदी का प्रवाह बढ़ेगा, जिससे वे नया निवेश कर सकेंगे। कुल कर देनदारी 10,000 रुपये से कम होने पर जीएसटी के तहत कारण बताओ नोटिस नहीं दिए जाने, सामान्य जुर्माने की सीमा घटाए जाने और भारतीय कंपनियों के विदेशी कारोबार को कुछ शर्तों के साथ निर्यात माने जाने संबंधी सिफारिशों से उद्योग-कारोबार के विकास का नया दौर शुरू होगा।

खासतौर से छोटे और असंगठित विक्रेताओं को ई-कामर्स प्लेटफार्म के वेयरहाउस का उपयोग कर व्यापार करने की अनुमति मिलने से डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। प्रधानमंत्री मोदी के अनुसार इन बदलावों से निर्णय लेने की प्रक्रिया तेज होगी, अनुपालन लागत में कमी आएगी और करदाताओं को आटोमेटेड रिफंड की सुविधा मिलेगी। निश्चित रूप से अगले साल एक अप्रैल से लागू होने वाले इन नए जीएसटी सुधारों से जहां जीएसटी संबंधी मुश्किलों का सामना कर रहे एमएसएमई, स्टार्टअप्स और छोटे व्यापारियों को बड़ा लाभ होगा, वहीं कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान, महंगाई और कमजोर मानसून जैसी चुनौतियों का सामना कर रही भारतीय अर्थव्यवस्था को भी रफ्तार पकड़ने में मदद मिलेगी।

वित्त मंत्रालय ने सितंबर 2026 की अपनी मासिक आर्थिक समीक्षा में कहा है कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, वैश्विक वित्तीय अस्थिरता, अमेरिकी व्यापार नीतियों से जुड़ी अनिश्चितताएं, महंगाई और देश में कमजोर मानसून से निर्मित परिस्थितियां इस समय देश की आर्थिक वृद्धि की गति को बनाए रखने में बड़ी चुनौती बन गई हैं। हालांकि आरबीआइ द्वारा प्रकाशित बुलेटिन 'स्टेट आफ द इकोनमी' के अनुसार इन सबके बावजूद मजबूत घरेलू बुनियाद के दम पर देश की अर्थव्यवस्था दमदार बनी हुई है। इस परिदृश्य के कारण भारत की अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही यानी जुलाई से सितंबर में 7.3 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल कर सकती है, जबकि पहली तिमाही में भारत ने 7.8 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की थी। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक सुस्ती के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था में लचीलापन देखने को मिला है। हाल में प्रकाशित विश्व बैंक की नई रिपोर्ट में चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की विकास दर के पूर्व निर्धारित अनुमान 6.6 प्रतिशत को बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत कर दिया गया है। भारत की जीडीपी वृद्धि अनुमान में बढ़ोतरी का मुख्य आधार मजबूत घरेलू मांग, निजी खपत में लगातार सुधार और बुनियादी ढांचा क्षेत्र में सरकारी एवं निजी निवेश में आई तेजी है। इसी कारण क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज ने भारत की सावरेन क्रेडिट रेटिंग को 'बीएए 3' पर बनाए रखा है और देश के आर्थिक आउटलुक को 'स्थिर' रखा है। दुनिया की प्रसिद्ध जापानी क्रेडिट रेटिंग एजेंसी (जेसीआर) ने भारत की सावरेन रेटिंग को भी बीबीबी+ से बढ़ाकर ए- कर दिया है। यह भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि, ठोस निजी खपत, निरंतर सार्वजनिक निवेश और सुदृढ़ होती वित्तीय व्यवस्था के कारण संभव हुआ है। यद्यपि विकास की गति सकारात्मक है, लेकिन भविष्य की चुनौतियों की ओर भी ध्यान दिया जाना जरूरी है। भारत को वैश्विक और घरेलू आर्थिक चुनौतियों का रणनीतिपूर्वक सामना करते हुए आगे बढ़ना होगा। निःसंदेह देश की आर्थिक रफ्तार बनाए रखने और जीएसटी व्यवस्था को और अधिक कारगर बनाने के लिए कई और बातों पर ध्यान देना जरूरी है। जैसे कि जीएसटी विभाग में व्याप्त भ्रष्टाचार नियंत्रित करना होगा।

आन्दोलन वही, जो सार्थक मुद्दा दिशा एवं भरोसे से जुड़ा हो



> 66
> अंततः लोकतंत्र की शक्ति न तो केवल सत्ता में निहित है और न ही केवल सड़क पर उतरने वाली भीड़ में। उसकी वास्तविक शक्ति नागरिक विवेक, संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता और समाज की संवाद करने की क्षमता में है।

लोकतंत्र में असहमति उसकी कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी जीवंतता का प्रमाण है। सरकार से सवाल पूछना, नीतियों का विरोध करना और अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाना नागरिक स्वतंत्रता का अनिवार्य हिस्सा है। लेकिन लोकतंत्र की वास्तविक परीक्षा केवल इस बात से नहीं होती कि विरोध करने की कितनी स्वतंत्रता है, बल्कि इससे भी होती है कि उस स्वतंत्रता का उपयोग किस उद्देश्य, किस भाषा और किस पद्धति से किया जा रहा है। किसी आंदोलन का मुद्दा कितना ही महत्त्वपूर्ण क्यों न हो, यदि उसका नेतृत्व दिशाहीन हो जाए, भाषा उत्तेजक बन जाए और पद्धति हिंसा अथवा अराजकता की ओर बढ़ने लगे, तो उसका नैतिक आधार कमजोर पड़ने लगता है। इसलिए आज देश के सामने प्रश्न केवल आंदोलनों का नहीं, बल्कि उनके चरित्र, विश्वसनीयता और राष्ट्रीय उत्तरदायित्व का भी है। दिल्ली में हाल के विरोध प्रदर्शनों और उन पर प्रशासन की सख्ती के बाद सर्वोच्च न्यायालय के हस्तक्षेप ने एक बार फिर लोकतंत्र की सीमाओं और संभावनाओं पर बहस छेड़ दी है। एक ओर शांतिपूर्ण विरोध नागरिकों का अधिकार है, तो दूसरी ओर सार्वजनिक व्यवस्था, नागरिक सुरक्षा और कानून का पालन सुनिश्चित करना शासन का दायित्व है। इन दोनों के बीच संतुलन ही संवैधानिक लोकतंत्र की पहचान है। न तो सरकार को कानून-व्यवस्था के नाम पर नागरिक स्वतंत्रताओं के अनावश्यक दमन की छूट दी जा सकती है और न ही आंदोलनकारियों को लोकतांत्रिक अधिकारों की आड़ में सार्वजनिक जीवन को बाधित करने का असीमित अधिकार प्राप्त है। संविधान अधिकार देता है, लेकिन उन अधिकारों के साथ उत्तरदायित्व भी जोड़ता है। आज सबसे गंभीर प्रश्न यह है कि जनांदोलनों की दिशा कौन तय कर रहा है? क्या आंदोलन वास्तव में जनसमस्याओं के समाधान के लिए खड़े हो रहे हैं, अथवा जनता के असंतोष को राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का साधन बनाया जा रहा है? यह प्रश्न किसी एक दल या संगठन तक सीमित नहीं है। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, सामाजिक संगठन हों या जनसमूह, सभी को अपने आचरण की कसौटी संविधान, नैतिकता और जनहित को बनाना चाहिए। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। वह सरकार की नीतियों पर सवाल उठाता है, कमियों को सामने लाता है और जनहित के मुद्दों को राजनीतिक विमर्श में स्थान देता है। लेकिन विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करना भी है। यदि हर असहमति को सत्ता के विरुद्ध निर्णायक संघर्ष में बदलने का प्रयास किया जाए, हर प्रशासनिक निर्णय को राजनीतिक षड्यंत्र बताया जाए और प्रत्येक जनसमस्या को व्यापक अव्यवस्था का प्रतीक बना दिया जाए, तो वास्तविक मुद्दे शोर में खोने लगते हैं। इसी तरह सरकार भी यदि आलोचना को शत्रुता समझने लगे, तो लोकतांत्रिक संवाद की संभावनाएं संकुचित हो जाती हैं।

आंदोलन की साख उसके मूल उद्देश्य एवं भरोसे से बनती है। जिस मुद्दे को लेकर लोग एकत्र होते हैं, उसकी स्पष्टता, तथ्यात्मक प्रामाणिकता और समाधान की दिशा आंदोलन की विश्वसनीयता निर्धारित करती है। जब मूल प्रश्न पीछे छूट जाता है और राजनीतिक दलों की प्रतिस्पर्धा, व्यक्तिगत महत्त्वाकांक्षाएं अथवा वैचारिक टकराव केंद्र में आ जाते हैं, तब आंदोलन की ऊर्जा बिखरने लगती है। जनसमर्थन जुटाना और जनविश्वास अर्जित करना दो अलग-अलग बातें हैं। भीड़ किसी क्षणिक आक्रोश का परिणाम हो सकती है, लेकिन जनविश्वास निरंतर नैतिक आचरण और रचनात्मक कार्यों से अर्जित होता है। भारत का लोकतांत्रिक इतिहास इस संदर्भ में अनेक महत्त्वपूर्ण उदाहरण प्रस्तुत करता है। वर्ष 1974 का छात्र आंदोलन और लोकनायक जयप्रकाश नारायण का नेतृत्व बताता है कि जनाक्रोश को



रचनात्मक परिवर्तन की शक्ति में कैसे बदला जा सकता है। बिहार के छात्रों ने भ्रष्टाचार, महंगाई और शासन संबंधी समस्याओं के विरुद्ध आवाज उठाई थी। जयप्रकाश नारायण ने इस असंतोष को व्यापक सामाजिक और राजनीतिक सुधारों की दिशा देने का प्रयास किया। आज के आंदोलनों को इस ऐतिहासिक अनुभव से सीखना चाहिए। किसी भी आंदोलन की सफलता केवल इस बात से नहीं मापी जानी चाहिए कि कितनी सड़कें बंद हुईं, कितने लोग एकत्र हुए या कितने दिनों तक विरोध चला। उसकी सफलता का वास्तविक पैमाना यह होना चाहिए कि उसने किस समस्या का समाधान प्रस्तुत किया, जनजीवन में क्या सकारात्मक परिवर्तन लाया और समाज में संवैधानिक चेतना को कितना मजबूत किया। वर्तमान समय में इंटरनेट मीडिया ने जनमत निर्माण की प्रक्रिया को पूरी तरह बदल दिया है। अब कोई घटना कुछ ही मिनटों में व्यापक बहस का विषय बन सकती है। यह लोकतंत्र के लिए एक महत्त्वपूर्ण अवसर है, क्योंकि इससे आम नागरिकों को अपनी बात रखने और प्रशासन से जवाब मांगने का मंच मिला है। लेकिन यही माध्यम भ्रामक सूचनाओं, अधूरे तथ्यों, भावनात्मक अभियानों और अपुष्ट आरोपों को भी तेजी से प्रसारित कर सकता है। हैशटैग, वायरल वीडियो और ऑनलाइन समर्थन अपने आप में किसी आंदोलन की नैतिक प्रामाणिकता का प्रमाण नहीं हैं। किसी आरोप की गंभीरता का निर्धारण उसके प्रमाणों से होना चाहिए, उसकी लोकप्रियता से नहीं। यदि आंदोलनकारी तथ्यों की पुष्टि किए बिना आरोप लगाते हैं, तो वे अपने ही उद्देश्य को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसी प्रकार प्रशासन का दायित्व है कि वह आलोचनात्मक आवाजों को केवल इसलिए संदिग्ध न माने कि वे सरकार के विरुद्ध हैं। पारदर्शिता, तथ्यपरक संवाद और निष्पक्ष जांच ही अविश्वास को दूर करने के प्रभावी उपाय हैं। आज युवाओं के पास डिजिटल तकनीक, नवाचार, उद्यमिता और सामाजिक सहभागिता के अनेक अवसर हैं। उनकी ऊर्जा केवल विरोध तक सीमित न रहे, बल्कि समाधान निर्माण में भी लगे। भ्रष्टाचार के विरुद्ध आंदोलन हो तो पारदर्शिता के व्यावहारिक उपाय सामने आएं, चुनावी सुधारों की मांग हो तो प्रमाण आधारित सुझाव प्रस्तुत किए जाएं, प्रशासनिक अन्याय का प्रश्न हो तो कानूनी और संस्थागत रास्तों को मजबूत किया जाए।

- ललित गर्ग

पूरे मोहल्ले की...

मोहन मंगलम

समस्या-वेदना-संवेदनशीलता सरोकार-सरकार



इन शब्दों के माध्यम से आपके सामने शब्दकोश को रखने का मेरा कोई इरादा नहीं है। हाँ, ये खास शब्द अपने आप में बहुत कुछ निहितार्थ समेटे हुए हैं। समस्या चाहे शारीरिक हो, मानसिक हो, सामाजिक हो या फिर और किसी तरह की ही, उससे वेदना होती है, कष्ट होता है। मगर जब कोई संवेदनशीलता के साथ हमारी समस्या को सुनकर उसके समाधान के लिए सार्थक प्रयास करता है तो मन को बड़ा सुकून मिलता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार के स्तर पर सामाजिक सरोकार से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए एक तय प्रणाली होती है। हालांकि नागरिकों को किस हद तक और कितनी जल्दी उनकी समस्याओं का समाधान मिल पाता है, यह इस तथ्य पर निर्भर करता है कि उस प्रणाली में तैनात अधिकारी और कर्मचारी अपनी जिम्मेदारी के निर्वहन में किस तरह रुचि लेते हैं। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए राजस्थान संपर्क नाम से पोर्टल की व्यवस्था की है। इसके अनुसार टोल फ्री नंबर 181 पर कॉल करने पर समस्या सुनने के साथ ही उसे दर्ज भी किया जाता है और समस्या के शीघ्रातिशीघ्र समाधान का आश्वासन भी दिया जाता है। जयपुर के जिस मोहल्ले में मैं रहता हूं, उसके बसने के करीब 30 साल बाद वहां सीवरेज लाइन डालने का मुहूर्त बना और ऐन बरसात के मौसम में काम शुरू कर दिया गया। पूरे मोहल्ले की सड़कें खोद डाली गईं जिससे दुपहिया-चौपहिया वाहनों की कौन कहे, लोगों का पैदल चलना भी दुश्वार हो गया। हालांकि इतनी समस्याओं के बावजूद लोग सीवरेज की समस्या का स्थायी समाधान होने की आस में तात्कालिक परेशानियों को खुशी-खुशी झेल रहे थे। मोहल्ले की एक अपेक्षाकृत अधिक व्यस्त सड़क जो आसपास की दर्जनों कॉलोनियों तक पहुंचने का जरिया है, उसके कुछ हिस्से में बरसात के मौसम में काफी कीचड़ होने की वजह से लोगों को हो रही परेशानी के मद्देजनर मैंने गत जुलाई के पहले सप्ताह में 181 पर फोन करके इस सड़क से गुजरने वाले वाहन चालकों तथा अन्य लोगों को होने वाली समस्या का तात्कालिक समाधान किये जाने के लिए गुहार लगाई। शिकायत करने के करीब दो सप्ताह बाद मेरे पास फोन आया कि आपकी समस्या का समाधान कर दिया गया है जबकि धरातल पर स्थिति जस की तस थी। संबंधित कर्मचारी के पूछने पर मैं अपनी असंतुष्टि जताता तो वह पूरी समस्या नए सिरे से दर्ज करता और शीघ्र समाधान किए जाने हेतु तसल्ली देता। उसके 10-12 दिन बाद पुनः मेरे पास फोन आता कि आपकी समस्या का समाधान कर दिया गया है। मैं पुनः अपनी असंतुष्टि जता देता और एक बार फिर मुझसे पूछकर मेरी शिकायत दर्ज की जाती और 10-12 दिन बाद फिर मेरे पास फोन आता कि आपकी समस्या का समाधान कर दिया गया है। काफी दिनों तक यह औपचारिकता निभाई जाती रही। समय बीतता गया। बारिश का दौर धीरे-धीरे थमने लगा और सीवर का काम करने वाली एजेंसी ने रूटीन वर्क के तहत सड़क पर ग्रेवल डालने का काम शुरू कर दिया और अब मोहल्ले की अधिकांश सड़कों का डामरीकरण भी कर दिया गया है। मोहल्ले के बाकी बचे स्थानों पर भी काम चल रहा है जिसके शीघ्र ही पूर्ण हो जाने की संभावना है। इस बीच पिछले करीब दस दिन से राजस्थान संपर्क से मेरे पास फोन आने का सिलसिला एक बार फिर शुरू हो गया है। हर तीसरे दिन फोन करके मुझे बताया जाता है कि आपकी समस्या का समाधान कर दिया गया है। अब मैं उन्हें क्या बताऊं कि बारिश के दिनों में होने वाली परेशानी का समाधान यदि मानसून की विदाई के बाद कर भी दिया जाए तो उससे पीड़ितों का क्या भला होगा? यदि समस्या की प्रकृति को तरजीह देते हुए तात्कालिक रूप से उसका समाधान किया जा सके तभी पीड़ितों को लाभ मिल सकेगा तथा इस सेवा की सार्थकता सिद्ध हो सकेगी। जन सरोकारों से जुड़ी राजस्थान संपर्क को मुख्यमंत्री काफी गंभीरता से लेते हैं। तभी तो इस पोर्टल पर आने वाली शिकायतों तथा उनके निस्तारण की प्रक्रिया की मॉनिटरिंग के लिए अनेक उच्च अधिकारियों को भी तैनात किया गया है। यही नहीं, कई बार तो मुख्यमंत्री स्वयं ही टोल फ्री नंबर 181 पर आने वाली समस्याओं को सुनते हैं।

ब्रह्मोस इंटीग्रेशन...

सरिता वर्मा

उत्तर प्रदेश में रक्षा विनिर्माण क्षेत्र को मिल रहा है नया विस्तार

देश को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में उत्तर प्रदेश तेजी से एक महत्वपूर्ण विनिर्माण केंद्र के रूप में उभर रहा है। केंद्र सरकार के 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प के अनुरूप राज्य में रक्षा उपकरणों और एयरोस्पेस क्षेत्र से जुड़ी औद्योगिक गतिविधियों को विस्तार दिया जा रहा है। उत्तर प्रदेश डिफेंस कॉरिडोर इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जहां रक्षा उत्पादन से जुड़ी परियोजनाओं के लिए आवश्यक औद्योगिक आधारभूत ढांचा विकसित किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश डिफेंस कॉरिडोर के लिए प्रस्तावित करीब 5,000 हेक्टेयर भूमि में से लगभग 2,000 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया जा चुका है। भूमि की उपलब्धता के साथ विभिन्न रक्षा एवं एयरोस्पेस कंपनियों को निवेश के लिए स्थान उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे प्रदेश में केवल बड़ी विनिर्माण इकाइयों की स्थापना ही नहीं हो रही, बल्कि उनके आसपास सहायक उद्योगों, आपूर्ति श्रृंखला और तकनीकी सेवाओं से जुड़े नए अवसर भी विकसित होने की संभावना बढ़ी है। डिफेंस कॉरिडोर में देश की प्रमुख रक्षा कंपनियों और संस्थानों की भागीदारी प्रदेश की बढ़ती औद्योगिक क्षमता को दर्शाती है। प्रमुख आवंटनों में डीआरडीओ, ब्रह्मोस एयरोस्पेस, भारत डायनेमिक्स, अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस, एंकोर रिसर्च लैब्स, एयरोल टेक्नोलॉजीज, डेल्टा कॉम्बैट सिस्टम्स और एमटेक इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी संस्थाएं शामिल हैं। इन परियोजनाओं के माध्यम से रक्षा उपकरणों के निर्माण, अनुसंधान, परीक्षण और तकनीकी क्षमताओं के विकास को गति मिल रही है।

कानपुर में स्थापित अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस की करीब 500 एकड़ में विस्तारित इकाई इस विकास की प्रमुख कड़ियों में शामिल है। दक्षिण एशिया की बड़ी रक्षा विनिर्माण इकाइयों में शामिल इस मेगा यूनिट के माध्यम से प्रदेश में आधुनिक रक्षा उपकरणों के उत्पादन की क्षमता को मजबूती मिली है। इतनी बड़ी औद्योगिक इकाई की स्थापना का प्रभाव केवल प्रत्यक्ष उत्पादन तक सीमित नहीं रहता, बल्कि इसके साथ छोटे एवं मध्यम उद्योगों के लिए भी नए अवसर पैदा होते हैं। स्थानीय स्तर पर तकनीकी सेवाओं, कल-पुर्जों, लॉजिस्टिक्स और अन्य सहायक गतिविधियों के विस्तार की संभावनाएं इससे जुड़ती हैं।

लखनऊ में ब्रह्मोस इंटीग्रेशन एवं परीक्षण सुविधा केंद्र की स्थापना भी प्रदेश के रक्षा क्षेत्र में बढ़ती भूमिका को रेखांकित करती है। मई 2025 में उद्घाटित इस सुविधा केंद्र में सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की भागीदारी के माध्यम से रक्षा उत्पादन तथा परीक्षण से जुड़ी क्षमताओं को आगे बढ़ाने का अवसर तैयार हुआ है। इससे उत्तर प्रदेश में उच्च तकनीक वाले रक्षा उत्पादों के निर्माण के साथ उनके एकीकरण और परीक्षण की सुविधाओं का विकास भी संभव हो रहा है। रक्षा क्षेत्र के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने में औद्योगिक नीतियों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। इसी क्रम में राज्य सरकार ने उत्तर प्रदेश एयरोस्पेस एवं रक्षा इकाई तथा रोजगार प्रोत्साहन नीति-2024 लागू की है। इसका उद्देश्य प्रदेश को एक प्रमुख एयरोस्पेस एवं रक्षा विनिर्माण केंद्र के रूप में विकसित करना, निवेश को आकर्षित करना और इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ाना है।

जरा हटके

इस सूक्ष्म उद्यम ...

डॉ0 सीमा गुप्ता

बलरामपुर में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से सशक्त हो रही ग्रामीण नारी शक्ति

उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती और आकांक्षी जनपद बलरामपुर में ग्रामीण विकास एवं महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक युगांतकारी परिवर्तन आकार ले रहा है। प्रदेश सरकार द्वारा संचालित 'उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन' (यूपीएसआरएलएम) के माध्यम से संगठित स्वयं सहायता समूहों ने तराई अंचल की ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक स्वावलंबन और सामाजिक नेतृत्व की मुख्यधारा से जोड़ा है। कभी सीमित दायरे में रहने वाली ग्रामीण महिलाएं आज सूक्ष्म उद्यमों की सफल संचालक बनकर पूरे जनपद के लिए स्वावलंबन का प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत कर रही हैं।जनपद के विकासखंड तुलसीपुर अंतर्गत ग्राम जुवारा और इटवा में महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा की गई अभिनव पहल इस जमीनी बदलाव का प्रत्यक्ष प्रमाण है। जुवारा की लीला देवी (शिवा स्वयं सहायता समूह) तथा इटवा की गायत्री देवी (महक स्वयं सहायता समूह) ने आपसी समन्वय और सहयोग से 'ऑन व्हील फास्ट फूड कैंटीन' की शुरुआत कर ग्रामीण स्तर पर उद्यमिता का एक अनूठा मॉडल विकसित किया है। मिशन प्रबंधन एवं जिला प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई गई महज 20 हजार की प्राथमिक वित्तीय सहायता से महिलाओं ने इस गतिशील कैंटीन का ढांचा तैयार किया। सीमित संसाधनों में आधुनिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए ठेले पर गुणवत्तापूर्ण, पौष्टिक एवं स्वच्छ अल्पाहार उपलब्ध कराने की कार्ययोजना बनाई गई। इस उद्यम के सुचारु संचालन के लिए समूह के भीतर कार्य और दायित्वों का अत्यंत पारदर्शी और व्यवस्थित विभाजन किया गया है। समूह की सदस्य रीता ने कैंटीन के प्रत्यक्ष विपणन और संचालन की जिम्मेदारी संभाली, जबकि अन्य सदस्य कच्चे माल की व्यवस्था करने, खाद्य पदार्थों की स्वच्छता सुनिश्चित करने और वित्तीय समन्वय में सक्रिय सहयोग कर रही हैं। श्रम और कौशल के इस सामूहिक उपयोग ने उद्यम की उत्पादकता और निरंतरता को मजबूत आधार दिया है।

खाद्य सामग्री की शुद्धता, प्रामाणिक स्वाद और उचित मूल्य के चलते इस ऑन-व्हील कैंटीन को ग्रामीण उपभोक्ताओं का व्यापक रुझान और समर्थन मिल रहा है। वर्तमान में इस कैंटीन से प्रतिदिन 1500 से अधिक की सकल बिक्री दर्ज की जा रही है। समस्त दैनिक परिचालन व्यय निकालने के उपरांत समूह को प्रतिदिन लगभग 700 से 800 की शुद्ध बचत प्राप्त हो रही है। इस नियमित आय ने महिलाओं को घरेलू खर्चों के लिए दूसरों पर निर्भर रहने की विवशता से पूरी तरह मुक्त कर दिया है।बाजार की मांग को समझते हुए समूह की महिलाओं ने अपने व्यवसाय को एक गांव अथवा नियत स्थल तक सीमित नहीं रखा है। गतिशील ठेले की सुविधा का लाभ उठाते हुए महिलाएं इटवा और जुवारा के साथ-साथ रेहरा बाजार, नयानगर तथा आसपास के साप्ताहिक ग्रामीण हाटों तक पहुंचकर सेवाएं दे रही हैं। व्यापार के इस सक्रिय तौर से उनके व्यवसाय में निरंतर वृद्धि हो रही है और कार्यशील पूंजी का चक्र निरंतर मजबूत बना हुआ है।

इस सूक्ष्म उद्यम का सबसे उल्लेखनीय पहलू इसका सहयोगात्मक प्रभाव है। इस कैंटीन का लाभ केवल इसका प्रत्यक्ष संचालन करने वाली महिलाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे दोनों स्वयं सहायता समूहों की अन्य सदस्यों को भी विभिन्न स्तरों पर आय और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध हुए हैं। स्थानीय उत्पादों की खपत और आपूर्ति श्रृंखला से जुड़कर कई अन्य परिवारों को भी अप्रत्यक्ष आजीविका का संबल मिला है।

आकांक्षी जनपद बलरामपुर की भौगोलिक और सामाजिक पृष्ठभूमि में यह उपलब्धि अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। कृषि पर अत्यधिक मौसमी निर्भरता और गैर-कृषि आजीविका के सीमित अवसरों वाले इस क्षेत्र में महिलाओं द्वारा संचालित यह सफल व्यवसाय अन्य वंचित परिवारों में भी नई आशा का संचार कर रहा है। महिलाएं अब अपनी इस आय का उपयोग बच्चों की उच्च शिक्षा, बेहतर पोषण और स्वास्थ्य सुविधाओं पर कर रही हैं, जिससे जीवन स्तर में स्पष्ट सुधार दर्ज हो रहा है। जिला प्रशासन और मिशन प्रबंधन द्वारा जनपद में स्वयं सहायता समूहों को सुदृढ़ करने के लिए बहुस्तरीय वित्तीय सहायता तंत्र लागू किया गया है। प्रारंभिक स्तर पर रिवॉल्विंग फंड (आरएफ) के माध्यम से समूहों की आंतरिक बचत और लेन-देन की क्षमता को पुष्ट किया जाता है। इसके पश्चात उद्यम विस्तार के लिए सामुदायिक निवेश निधि (सीआईएफ) और बैंकों के साथ रियायती ब्याज दर पर संस्थागत क्रेडिट लिंकेज सुनिश्चित कराया जा रहा है, जिससे ग्रामीण महिलाएं बिचौलियों और पारंपरिक साहूकारों के शोषण से पूरी तरह सुरक्षित हुई हैं।केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार द्वारा संचालित 'लखपति दीदी' महाअभियान के अंतर्गत बलरामपुर जनपद में विशेष रणनीतिक प्रयास किए जा रहे हैं। इसका मुख्य ध्येय स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी प्रत्येक महिला सदस्य की वार्षिक पारिवारिक आय को 1 लाख से अधिक के स्थायी स्तर तक पहुंचाना है। तुलसीपुर विकासखंड में संचालित यह ऑन-व्हील कैंटीन इसी महत्वाकांक्षी नीतिगत संकल्प को धरातल पर क्रियान्वित करने का व्यावहारिक उदाहरण है। बलरामपुर में आजीविका मिशन के अंतर्गत महिलाओं की आय के स्रोतों का योजनाबद्ध विविधीकरण किया जा रहा है। अंतर-विभागीय अभिसरण (कन्वर्जेंस) के माध्यम से महिला समूहों को केवल पारंपरिक कार्यों तक सीमित न रखकर बहुआयामी उद्यमों से जोड़ा गया है। जनपद में आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए टेक-होम राशन (टीएचआर) निर्माण इकाइयों के संचालन, प्रेरणा कैंटीनों के प्रबंधन, दुग्ध उत्पादन तथा उन्नत कृषि एवं जैविक उत्पाद निर्माण में महिला समूहों को प्राथमिकता दी जा रही है। जनपद के सुदूरवर्ती एवं नदी तटीय ग्रामों तक वित्तीय समावेशन का विस्तार करने के उद्देश्य से संचालित 'वन ग्राम पंचायत, वन बीसी सखी' मॉडल ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को अभूतपूर्व गति दी है। बलरामपुर में प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप जिला प्रशासन द्वारा महिला उद्यमियों को बाजार की प्रतिस्पर्धा में सक्षम बनाने हेतु निरंतर तकनीकी प्रशिक्षण और वित्तीय साक्षरता प्रदान की जा रही है। खाद्य सुरक्षा मानकों, डिजिटल भुगतान प्रणाली (यूपीआई/क्यूआर कोड) के उपयोग तथा समूह के बही-खातों के पारदर्शी रख-रखाव के लिए नियमित कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं।

वाराणसी में उसी के फिंगर से मोबाइल लॉक खुला, प्राइवेट पार्ट से खून बह रहा था

2-बच्चों की मां से अफेयर, डिलीवरी बॉय फंदे पर मिला

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में घर में अकेले रह रहे डिलीवरी बॉय का शव बेडरूम में फंदे पर लटका मिला। रविवार (11 अक्टूबर) को पोस्टमॉर्टम हाउस पर छोटी बहन रंजना ने संवाददाता से कहा- भाई का पड़ोस की ही 2 बच्चों की मां से अफेयर था। उसकी हत्या की गई है। भाई के पैर जमीन की जगह बेड पर मुड़े थे। उसके प्राइवेट पार्ट से खून बह रहा था। गले पर भी खरोंच के निशान थे। उसी महिला ने अपने फिंगर से भाई का मोबाइल लॉक खोला और जल्दी से रस्सी काटकर शव उतार दिया। पिता उमेश कुमार



मौर्या ने कहा- बेटे ने शुक्रवार (9 अक्टूबर) को फोन किया था। कह रहा था कि पापा, बेंगलुरु जाना है, सोमवार का टिकट है। मैंने कहा था कि नेवादा गांव आ जाना, फिर मुझसे मिलकर चले जाना। क्या पता था कि अब वह कभी लौटकर नहीं आएगा। शनिवार को फोन आया कि शुभम का शव फंदे पर लटका मिला। उसी महिला ने शव भी पुलिस के आने के पहले रस्सी काटकर उतार दिया।

रंजना ने बताया- भाई शुभम इन दिनों घर में अकेला था। पिता नेवादा गए हुए थे। मेरे भैया का पड़ोस की ही एक महिला से अफेयर था। पांच दिन से वह उसी के साथ था। शाम को उसका शव लटका मिला। जब हम लोग पहुंचे, तो भाई का मोबाइल खोलने का प्रयास किया।



बहन बोली- रस्सी सुसाइड के फंदे जैसी नहीं बंधी थी

रंजना ने बताया- इसके थोड़ी देर बाद मैं शॉप बंदकर पहुंची, तो घर के बाहर बहुत भीड़ लगी थी। दरवाजे में बाहर से कुंडी लगी थी। खोलकर अंदर पहुंचे, तो शुभम रस्सी के सहारे कमरे में लटका था। उसका एक पैर जमीन पर लटका था, दूसरा बेड पर मुड़ा हुआ था। प्राइवेट पार्ट से खून बह रहा था। गले पर खरोंच के निशान थे। साथ ही रस्सी भी उस तरह से नहीं बंधी थी, जैसे कोई सुसाइड के लिए बांधता है।

पिता बोले- मेरा बेटा कमजोर नहीं था

अस्पताल के एक कोने में बैठे शुभम के पिता की जिंदगी उनके इकलौते बेटे के जाने से खत्म सी हो गई है। नम आंखों से उन्होंने शुभम का नाम लिया और कहा- मेरा बेटा कमजोर नहीं था।

पड़ोसी ने बहन को फोन कर कहा- भाई की तबीयत खराब है

बिहार के नेवादा में रहने वाले उमेश कुमार मौर्या कई साल से वाराणसी के आदमपुर के विजयीपुरा चौराहा, कोनिया में मकान बनाकर रहते हैं। उनकी पत्नी की मौत हो चुकी है। 2 बेटियां कल्पना और रंजना की शादी मुगलसराय और वाराणसी में हुई है। उनका सबसे छोटा और इकलौता बेटा शुभम मौर्या (27) डिलीवरी बॉय था। शुभम की छोटी बहन रंजना ने बताया- मेरी वाराणसी के अन्नपूर्णा नगर कॉलोनी में बुटीक और ब्यूटी आइटम की शॉप है। शनिवार दोपहर 3.49 बजे पड़ोस के एक व्यक्ति का फोन आया कि शुभम की तबीयत खराब है। आप आ जाइए। इस पर मैंने अपने बेटे को भेजा।

जमीन की जुताई को लेकर बवाल, फायरिंग की कोशिश का आरोप

महिला का दावा-पति के सिर पर रिवॉल्वर की बट से किया हमला

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर राजेसुल्तानपुर केदरूपुर गांव में जमीन की जुताई को लेकर विवाद इस कदर बढ़ा कि मारपीट और रिवॉल्वर से फायरिंग की कोशिश के आरोप लग गए। एक महिला ने आठ लोगों पर हथियारों से लैस होकर उसकी बैनामा शुदा जमीन पर ट्रैक्टर चलाने, विरोध करने पर गाली-गलौज और मारपीट करने का आरोप लगाया है। पीड़िता के मुताबिक, आरोपियों में से एक ने उसके पति पर रिवॉल्वर की बट से हमला कर दिया, जिससे वह बेहोश हो गए। मामले में पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। केदरूपुर निवासी रोशनी पत्नी प्रदीप मिश्रा के मुताबिक, उन्होंने 9 दिसंबर 2019 को गाटा संख्या 432घ में एक बिस्वा आठ धुर जमीन का बैनामा



कराया था। महिला का दावा है कि जमीन की दाखिल-खारिज भी हो चुकी है और वर्ष 2019 से उनका उस पर कब्जा है। आरोप है कि 11 अक्टूबर को दोपहर करीब दो बजे आठ लोग रिवॉल्वर, लाठी-डंडे और चाकू लेकर जमीन पर पहुंचे और ट्रैक्टर से जुताई करने लगे। इसकी जानकारी होने पर महिला अपने पति के साथ मौके पर पहुंचीं और विरोध जताया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद शुरू हो गया। हाथ पकड़ने से नहीं चल सकी गोली, फिर सिर पर वार का आरोप पीड़िता का आरोप है कि विरोध करने पर आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए उन्हें और उनके पति को धमकाया। इसी दौरान एक व्यक्ति ने रिवॉल्वर निकालकर फायरिंग करने का प्रयास किया। महिला के अनुसार, उनके पति ने उसका हाथ पकड़ लिया, जिससे गोली नहीं चल सकी। इसके बाद कथित तौर पर रिवॉल्वर की बट से पति के सिर पर वार किया गया, जिससे वह बेहोश हो गए। महिला ने अपने साथ भी मारपीट और अभद्रता किए जाने का आरोप लगाया है। घटना के बाद वह घायल पति को लेकर राजेसुल्तानपुर थाने पहुंचीं और पुलिस को लिखित तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। राजेसुल्तानपुर के थानाध्यक्ष अमित कुमार पांडेय ने बताया कि महिला की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और विधिक कार्रवाई की जा रही है।

फास्ट न्यूज

महाराजगंज में मंडल स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता

महराजगंज। महराजगंज में गणेश शंकर विद्यार्थी स्मारक इंटर कॉलेज परिसर में 37वीं दो दिवसीय जनपद स्तरीय माध्यमिक विद्यालय एथलेटिक्स प्रतियोगिता 2026-27 का शुभारंभ हुआ।
इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक डॉ. बलराम भट्ट, जिला विद्यालय निरीक्षक रामनगीना भारती और पूर्व प्रधानाचार्य विजय बहादुर सिंह मौजूद रहे।

बस ने बाइक सवार 4 को रौंदा, तीन की मौत

बदायूं। बदायूं में स्कूल बस ने 4 दोस्तों को रौंदा दिया। जिसमें चचेरे भाईयों समेत 3 लोगों की मौत हो गई। सोमवार दोपहर स्कूल बस छुट्टी होने के बाद बच्चों को छोड़ने गई थी। इसी दौरान चार दोस्त दवा लेने जा रहे थे। तभी रास्ते में बस ने चारों को रौंद दिया। हादसे की आवाज सुनते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने चारों घायलों को अस्पताल पहुंचाया। जिसमें चचेरे भाई समेत 3 की मौत हो गई। जबिक एक दोस्त घायल है। जिसको अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस मौके पर पहुंचकर वाहन को कब्जे में लिया। मामला बिसौली कोतवाली क्षेत्र के मदनजुड़ी गांव के पास का है।

लेडी प्रिंसिपल को डिजिटल अरेस्ट कर 21 लाख ठगे

गोंडा। गोंडा में एक प्राइवेट स्कूल की प्रिंसिपल को डिजिटल अरेस्ट कर 3 दिन तें 21.30 लाख रुपए ठग लिए। साइबर ठगों ने उन्हें वाट्सएप कॉल कर मनी लॉन्ड्रिंग केस में नाम आने की बात कहकर धमकाया। डर की वजह से प्रिंसिपल ने अपनी एफडी तक तुड़वा दी और ठगों को पैसे दे दिए। उन्होंने अलग-अलग बैंक खातों से RTGS के जरिए ये रकम जमा कराई।

वजू करते-करते युवक की अचानक हुई मौत

मस्जिद में नमाज पढ़ने गया था, पीछे की तरफ गिरा

तमसा संकेत, एजेंसी

सहारनपुर। सहारनपुर में नमाज से पहले मस्जिद में 42 साल के एक व्यक्ति की अचानक मौत हो गई। वह वजू कर रहे थे, तभी पीछे की तरफ गिर पड़े। पहले वहां मौजूद लोगों को कुछ समझ नहीं आया। बाद में एक युवक ने उन्हें उठाया और पानी पिलाने की कोशिश की, लेकिन उनकी हालत में सुधार नहीं हुआ। परिजन उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। हार्ट अटैक की आशंका जताई गई है। मरने वाला मजदूर था। उसकी पहचान बुड्ढाखेड़ा गांव निवासी शराफत के रूप में हुई है। घटना रविवार दोपहर की है। सोमवार को घटना का CCTV फुटेज सामने आया। गंगोह थाना क्षेत्र में बुड्ढाखेड़ा गांव मुस्लिम बाहुल्य है। यहां गांव में



मस्जिद बनी है। रविवार दोपहर करीब 12 बजे शराफत नमाज पढ़ने मस्जिद गए थे। फुटेज में दिखाई दे रहा है कि शराफत नमाज से पहले वजू (हाथ-पैर धुलते हुए) कर रहे थे। अचानक वे पीछे की तरफ पलट गए। कुछ देर बाद लाल कमीज और काली पैंट पहने एक युवक शराफत के पास पहुंचा। वह शराफत को संभालने और उन्हें उठाने की कोशिश करता नजर आया। वह लगातार मदद करने में लगा रहा। करीब 41 सेकंड बाद वहां कुछ अन्य लोग भी पहुंचने लगते हैं।

कांवड़ पटरी मार्ग पर घरवालों ने लगाया जाम, 50 लाख रुपए मुआवजा मांगा

4 श्रद्धालुओं की मौत के बाद आक्रोश

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। सहारनपुर के देवबंद में सड़क हादसे में कुशावली गांव के चार श्रद्धालुओं की मौत के बाद पीड़ित परिवारों को आर्थिक मदद नहीं मिलने से ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। सोमवार को ग्रामीणों ने हादसे में घायल युवकों को साथ लेकर चौधरी चरण सिंह कांवड़ पटरी मार्ग स्थित अटेरना गंगनहर पुल पर जाम लगा दिया। ग्रामीण मृतकों के परिजनों को 50-50 लाख और घायलों को 10-10 लाख रुपये मुआवजा देने की मांग पर अड़ गए। मौके पर अधिकारियों के नहीं पहुंचने से नाराज ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि आधे घंटे के भीतर अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचे तो वे एनएच-58 पर भी जाम लगा देंगे। मृतकों के परिजनों को 50-50 लाख और घायलों को 10-10 लाख रुपये मुआवजा देने की मांग, आधे घंटे में



अधिकारी नहीं पहुंचे तो एनएच-58 जाम करने की चेतावनी। कुशावली गांव निवासी अमन पुत्र चंदन, पंकज पुत्र ओमप्रकाश, बिल्लू उर्फ रमेश पुत्र सूरज बली और सागर सोम पुत्र राजेंद्र सात अक्टूबर को मां शाकुंभरी देवी की ज्योत लेने गए थे। शुक्रवार रात ट्रैक्टर-ट्रॉली से लौटते समय देवबंद क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में चारों की मौत हो गई। हादसे में गांव के कई अन्य लोग भी घायल हुए थे। शनिवार को चारों मृतकों का अंतिम संस्कार किया गया तो गांव में मातम छा गया। एक साथ चार चिताएं जलने से हर आंख नम हो गई। मृतकों में करीब 45 वर्षीय पंकज मजदूरी कर परिवार पालते थे। 26 वर्षीय अमन कैपरी फाइनेंस कंपनी में नौकरी करता था। 24 वर्षीय सागर सहारनपुर की एक कंपनी में कार्यरत था, जबकि करीब 55 वर्षीय बिल्लू उर्फ रमेश खेतीबाड़ी कर परिवार का पालन-पोषण करते थे। चार मौतों से सदमे में डूबे गांव में अब मुआवजे की मांग को लेकर आक्रोश बढ़ गया है। मृतकों में करीब 45 वर्षीय पंकज मजदूरी कर परिवार पालते थे। 26 वर्षीय अमन कैपरी फाइनेंस कंपनी में नौकरी करता था। 24 वर्षीय सागर सहारनपुर की एक कंपनी में कार्यरत था, जबकि करीब 55 वर्षीय बिल्लू उर्फ रमेश खेतीबाड़ी कर परिवार का पालन-पोषण करते थे। चार मौतों से सदमे में डूबे गांव में अब मुआवजे की मांग को लेकर आक्रोश बढ़ गया है।

ग्रामीण बोले- परिवार को मिले सहायता राशि

अचानक लगाए गए जाम से कांवड़ पटरी मार्ग पर वाहनों के पहिये थम गए। मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों का कहना था कि हादसे ने चार परिवारों को उजाड़ दिया है। किसी परिवार ने अपना बेटा खोया है तो किसी के सिर से पिता का साया उठ गया। इसके बावजूद पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता नहीं मिली है। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल मुआवजे की घोषणा कर पीड़ित परिवारों को राहत दिलाने की मांग की।

इनकी हुई है हादसे में मौत

मृतकों में करीब 45 वर्षीय पंकज मजदूरी कर परिवार पालते थे। 26 वर्षीय अमन कैपरी फाइनेंस कंपनी में नौकरी करता था। 24 वर्षीय सागर सहारनपुर की एक कंपनी में कार्यरत था, जबकि करीब 55 वर्षीय बिल्लू उर्फ रमेश खेतीबाड़ी कर परिवार का पालन-पोषण करते थे। चार मौतों से सदमे में डूबे गांव में अब मुआवजे की मांग को लेकर आक्रोश बढ़ गया है।

युवाओं को कौशल प्रशिक्षण से जोड़कर रोजगार के नए अवसर सृजित कर रही योगी सरकार

राजकीय आईटीआई में पंचम चरण की प्रवेश प्रक्रिया शुरू

13 से 15 अक्टूबर तक नोडल संस्थानों में जमा होंगे रैंक कार्ड, 16 अक्टूबर तक पूरी होगी चयन प्रक्रिया

संस्थानों के प्रधानाचार्यों को निर्देशित किया गया है कि अभ्यर्थियों को प्रवेश देने से पूर्व उनके मूल अभिलेखों का गहनता से सत्यापन सुनिश्चित करें। शैक्षिक योग्यता, जाति प्रमाण पत्र एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जांच के बाद ही प्रवेश प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इससे प्रवेश प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने के साथ ही पात्र अभ्यर्थियों को उनका उचित अवसर सुनिश्चित किया जा सकेगा।

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण तकनीकी एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराकर उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार के लिए सक्षम बनाने की दिशा में योगी सरकार निरंतर प्रयासरत है। इसी क्रम में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में सत्र 2026-27 के लिए रिक्त सीटों पर प्रवेश का पंचम चरण शुरू कर दिया गया है। चतुर्थ चरण के बाद रिक्त रह गई सीटों के लिए पूर्व पंजीकृत गैर-चयनित अभ्यर्थियों के साथ-साथ नवीन ऑनलाइन आवेदकों को भी प्रवेश का अवसर दिया जाएगा। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग के विशेष सचिव एवं राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद (एससीवीटी) के अधिशासी निदेशक अभिषेक सिंह ने पंचम चरण की प्रवेश प्रक्रिया को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

उन्होंने बताया कि रिक्त सीटों के सापेक्ष अभ्यर्थियों की शैक्षिक अर्हता के आधार पर तैयार मेरिट सूची संबंधित राजकीय आईटीआई को उपलब्ध करा दी गई है।। प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी एससीवीटी की आधिकारिक वेबसाइट www.scvtup.in पर जाकर 'पंचम चरण के लिए रैंक' लिंक पर क्लिक कर अपना रैंक कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं।

पूर्व पंजीकृत अभ्यर्थियों को मिलेगा प्राथमिक अवसर

पंचम चरण में सीट आवंटन की प्रक्रिया निर्धारित प्राथमिकता के आधार पर की जाएगी। सबसे पहले चतुर्थ चरण तक पंजीकृत लेकिन चयन से वंचित रहे अभ्यर्थियों को उपलब्ध रिक्त सीटों पर प्रवेश का अवसर दिया जाएगा। इसके बाद शेष रिक्त सीटों पर नवीन ऑनलाइन आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों की मेरिट के आधार पर ट्रेड एवं व्यवसाय का आवंटन किया जाएगा। जनपद स्तर पर गठित चयन समिति द्वारा पूरी प्रक्रिया संपन्न कर 16 अक्टूबर 2026 तक चयनित अभ्यर्थियों की अनुमोदित सूची तैयार की जाएगी। चयन सूची को संबंधित संस्थान के सूचना पट्ट पर भी प्रदर्शित किया जाएगा, ताकि अभ्यर्थियों को चयन प्रक्रिया की जानकारी समय से मिल सके।

कौशल से रोजगार और रोजगार से आत्मनिर्भरता

योगी सरकार की प्राथमिकता प्रदेश के युवाओं को 'कौशल से रोजगार और रोजगार से आत्मनिर्भरता' की दिशा में आगे बढ़ाना है। राजकीय आईटीआई के माध्यम से युवाओं को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप तकनीकी एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे वे बदलते रोजगार बाजार में अपनी दक्षता के अनुरूप बेहतर अवसर प्राप्त कर सकें। रिक्त सीटों पर प्रवेश के इस अतिरिक्त चरण से अधिक से अधिक युवाओं को कौशल प्रशिक्षण से जुड़ने का अवसर मिलेगा और प्रदेश की युवा शक्ति को आत्मनिर्भर बनाने के सरकार के प्रयासों को और गति मिलेगी।

राजभर को लड़ने की जमीन नहीं मिल रही : श्याम लाल

इनका राजनीतिक धरातल खिसक गया है

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने ओम प्रकाश राजभर के उस बयान पर पलटवार किया, जिसमें उन्होंने अखिलेश यादव को अपनी विधानसभा सीट जहूराबाद से चुनाव लड़ने की चुनौती दी थी। पाल ने कहा कि राजभर का राजनीतिक धरातल खिसक गया है, इसलिए वह इस तरह के बयान दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जिन मुद्दों को लेकर सरकार सत्ता में आई थी, उन पर वह विफल रही है। ऐसे नेताओं को चुनाव लड़ने के लिए जमीन नहीं मिल पा रही है, इसलिए वे इस तरह की बयानबाजी कर रहे हैं।

सपा प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने कहा- राजभर का राजनीतिक धरातल खिसक गया है, इसलिए वह इस तरह के बयान दे रहे हैं। श्याम लाल पाल ने कहा कि



लोकतंत्र और संविधान खतरे में हैं। संविधान में लोगों को आगे बढ़ने के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गई है, लेकिन सरकार इसे प्रभावी ढंग से लागू करने में असफल रही है। दिल्ली में CJP और विपक्ष के प्रदर्शन को लेकर उन्होंने भाजपा पर निशाना साधा। पाल ने आरोप लगाया कि भाजपा ने वोट चोरी के जरिए लोकतंत्र की हत्या करने का काम किया है।

राहत : खुद को धरतीपुत्र और किसानपुत्र कहने वालों ने कुछ नहीं किया

योगी सरकार ने किसानों के लिए मायावती-अखिलेश से तीन गुना ज्यादा बजट जारी किया : कृषि मंत्री

कृषि मंत्री ने कहा-योगी सरकार ने किसानों को समय पर बीज, बिजली और पर्याप्त उर्वरक उपलब्ध कराने की व्यवस्था की

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। बाढ़, अतिवृष्टि, ओलावृष्टि और चक्रवात से फसल क्षति से प्रभावित प्रदेश के नौ लाख से अधिक किसानों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राहत राशि सौंपी। गोरखपुर में आयोजित कार्यक्रम में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि योगी सरकार ने किसानों के लिए खजाना खोल दिया है। उन्होंने कहा कि खुद को धरतीपुत्र और किसानपुत्र कहने



वाली पिछली सरकारों ने किसानों के लिए अपेक्षित काम नहीं किया, जबकि योगी सरकार ने उनके मुकाबले तीन गुना से अधिक राशि खर्च की है। शाही ने कहा कि 2017 में सरकार बनने के बाद पहली कैबिनेट में 86 लाख किसानों के 36 हजार करोड़ रुपए के कर्ज माफ करने का निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि वर्ष मायावती की सरकार ने किसानों पर 10,207 करोड़ रुपए और अखिलेश यादव सरकार ने करीब 12 हजार करोड़ रुपए खर्च किए, जबकि योगी सरकार अब तक किसानों पर 69,163 करोड़ खर्च कर चुकी है। कृषि मंत्री ने कहा कि योगी सरकार ने किसानों को समय पर बीज, बिजली और पर्याप्त उर्वरक उपलब्ध कराने की व्यवस्था की है। पिछले वर्ष प्रदेश में रिकॉर्ड 752 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न उत्पादन हुआ। उन्होंने बताया कि पिछली सरकार के समय आपदा राहत के लिए केंद्र सरकार से मिले 3,200 करोड़ रुपए में से केवल 800 करोड़ रुपए वितरित किए गए थे। योगी सरकार बनने के बाद शेष राशि में से 1,200 करोड़ रुपए सात दिनों के भीतर किसानों के खातों में भेजे गए। शाही ने कहा कि गन्ना किसानों के हित में गन्ने का मूल्य बढ़ाकर 400 प्रति क्विंटल किया गया। पिछली सरकार ने पांच वर्षों में करीब 62 हजार करोड़ का गन्ना भुगतान किया था, जबकि योगी सरकार ने दस वर्षों में 3.25 लाख करोड़ का भुगतान किया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश की 105 चीनी मिलें 15 दिनों के



भीतर भुगतान कर रही हैं। कृषि मंत्री ने कहा कि वर्ष 2017-18 से अब तक प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत किसानों को 6,125 करोड़ की क्षतिपूर्ति दी गई है।

वर्ष 2025-26 में आपदा से प्रभावित 7.31 लाख किसानों को इस योजना के माध्यम से 812.76 करोड़ दिए गए। उन्होंने बताया कि इस वर्ष बीमा कराने वाले किसानों की संख्या पिछले वर्ष के लगभग 18 लाख से बढ़कर 23 से 24 लाख हो गई है। मुख्यमंत्री ने इनके सर्वे और क्षतिपूर्ति वितरण में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। शाही ने कहा कि जालौन में भी प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत करीब 5 करोड़ किसानों को अंतरित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने किसानों के लिए ऐसे प्रयास किए होते तो उन्हें गरीबी और बदहाली का सामना नहीं करना पड़ता।

शारदीय नवरात्रि के अवसर पर महिलाओं एवं बालिकाओं में सुरक्षा

सम्मान तथा स्वावलम्बन का संदेश पहुंचाने के लिए तीन दिवसीय देवीगीत गायन का आयोजन

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन के लिए शक्ति आराधना के अंतर्गत 17, 18 एवं 19 अक्टूबर, 2026 (सप्तमी, अष्टमी एवं नवमी) को शारदीय नवरात्रि के अवसर पर शक्ति आराधना प्रदेश के 26 चयनित शक्तिपीठों, देवी मंदिरों पर देवीगीतों की परम्परा पर आधारित देवीगीत गायन एवं दुर्गा सप्तसती का पाठ किया जायेगा। इसका उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन का संदेश देना है।

यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि कलाकारों के मानदेय, यात्रा व्यय, वालंटियर पर व्यय तथा कार्यक्रम की प्रस्तुति संबंधी अन्य व्यवस्थाओं पर 28 लाख 08 हजार रूपये की धनराशि स्वीकृत की गयी है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के 26 शक्तिपीठ स्थलों, देवी मंदिरों पर देवीगीतों की परम्परा पर आधारित दुर्गा सप्तशती का पाठ किया जायेगा। उसमें मॉ विन्ध्यवासिनी देवी विन्ध्याचल मिर्जापुर, ज्वाला देवी सोनभद्र, सीता समाहित स्थल भदोही, अलोपी देवी प्रयागराज, कदवासिनी कौशाम्बी तथा पाटेश्वरी देवी देवीपाटन बलरामपुर शामिल हैं। इसके अलावा ललिता देवी नैमिषारण्य, सीतापुर, शाकुम्भरी देवी सहारनपुर, कात्यायनी देवी मथुरा, मॉ शीतला चौकिया धाम जौनपुर, बेलहा देवी प्रतापगढ़, बीसालाक्षी देवी वाराणसी, चण्डिका देवी उन्नाव, देवी काली मंदिर औरैया, मॉ तरकुलहाधाम गोरखपुर, मॉ शीतला माता स्थल मऊ, ललितादेवी प्रयागराज, शिवानी देवी चित्रकूट, गायत्री शक्तिपीठ हमीरपुर, बैरागढ़ माता कोंच, जालौन भी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त कुसमाण्डा देवी घाटमपुर, कानपुर देहात, शीतला माता मंदिर मैनपुरी, चामुण्डा माता मंदिर फिरोजाबाद, चंद्रिका देवी मंदिर लखनऊ, संकटा देवी मंदिर लखनऊ तथा गुरूग्राम देवी मंदिर फर्रूखाबाद भी शामिल हैं। शारदीय नवरात्रि के अवसर पर कराये जाने वाले तीन दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रदेश के चयनित मंदिरों में कराये जायेंगे। इस प्रकार देवी मंदिरों एवं शक्तिपीठों की आराधना के साथ ही महिलाओं एवं बालिकाओं में स्वावलम्बन एवं आत्मनिर्भरता का संदेश प्रसारित करना है।

मैं ब्रज रज की चुटकी मात्र भी नहीं, एनसीईआरटी में दर्ज होगी वीर गोकुला की गाथा

यहां आने की वजह चुनाव नहीं, पीढ़ियों का रिश्ता : जयंत चौधरी

संबोधन

तमसा संकेत, एजेंसी



आगरा। आगरा के फतेहपुर सीकरी विधानसभा क्षेत्र के जैंगारा गांव में सोमवार को राष्ट्रीय लोकदल (RLD) की स्वाभिमान सभा आयोजित की गई। सभा को संबोधित करते हुए पार्टी अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने वीर गोकुला की वीरता और बलिदान का जिक्र किया। उन्होंने कहा- वीर गोकुला की गाथा को देश के इतिहास और पाठ्यक्रम में उचित स्थान दिलाने का संकल्प पूरा हो रहा है। शिक्षा विभाग ने एनसीईआरटी की कक्षा 9 की किताब में वीर गोकुला की गाथा दर्ज करने का फैसला लिया है। जयंत चौधरी ने कहा- अभी चुनाव का समय नहीं है। एमएलसी के चुनाव चल रहे हैं, लेकिन यहां चुनाव का कोई मुद्दा नहीं है। यह पीढ़ी-दर-पीढ़ी चले आ रहे रिश्तों का मामला है, जो मुझे लोगों के बीच खींचकर लाया है। बात कीमत की थी। जो लोग मुझे एक चवन्नी के बराबर भी नहीं मान रहे और कह रहे हैं कि 'चवन्नी थूक'। मैं उनसे कहना चाहता हूं मैं ब्रज की रज की एक चुटकी के बराबर भी खुद को नहीं समझता। ब्रज की रज की अहमियत को हर कोई नहीं जानता। ब्रज की रज ऐसी पवित्र मिट्टी है, जहां देश-दुनिया से लोग आते हैं और एक चुटकी रज माथे पर लगाकर प्रसन्न होकर घर लौट जाते हैं। सभा में जयंत चौधरी के पहुंचने से पहले ही पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौके पर मौजूद रहे। आयोजकों के मुताबिक, सभा में करीब 5 हजार लोग जुटे। RLD इस आयोजन के जरिए ब्रज क्षेत्र में अपनी राजनीतिक ताकत बढ़ाने की तैयारी में है। आगरा के अलावा मथुरा, हाथरस, फिरोजाबाद, अलीगढ़ और राजस्थान के भरतपुर से भी लोगों को जुटाने की जिम्मेदारी पार्टी पदाधिकारियों को दी गई थी।

ब्रज की मिट्टी के लाल ही मेरे सम्मान की रक्षा कर सकते हैं



जयंत चौधरी ने कहा कि ब्रज की रज ऐसी पवित्र मिट्टी है, जहां देश-दुनिया से लोग आते हैं और एक चुटकी रज माथे पर लगाकर प्रसन्न होकर घर लौट जाते हैं। वह खुद को उस मिट्टी के बराबर भी नहीं मानते। ब्रज की मिट्टी के लाल उनके सामने खड़े हैं। उन्हें पता है कि ये लोग उनकी लाज और सम्मान की रक्षा भी कर सकते हैं।

> जयंत चौधरी ने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में गन्ने की व्यवस्थित खेती होती है। उन्होंने अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि वह एथेनॉल का विरोध क्यों करते हैं? एथेनॉल गन्ने, मक्का या धान से बनाया जाएगा। इसका विरोध करके आप सीधे किसानों का विरोध कर रहे हैं



एथेनॉल का विरोध करके अखिलेश सीधे किसानों का विरोध कर रहे हैं

उन्होंने कहा कि पश्चिमी यूपी में गन्ने की बड़े पैमाने पर खेती होती है और उसकी खरीद के लिए व्यवस्थित उद्योग भी मौजूद हैं। वहीं, इस क्षेत्र में मक्का, सरसों और आलू की खेती भी हो सकती है। यहां धान की पैदावार भी अच्छी होती है, लेकिन गन्ने की खेती नहीं होती। जयंत चौधरी ने कहा कि आलू की खेती वाले क्षेत्र में भी विधायक गुड्डू और आगरा के कुछ प्रतिष्ठित लोग मौजूद हैं।

एमआईईटी में 'स्मृति 2.0' का आयोजन



तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (एमआईईटी) के सीएसई विभाग के क्लब द्वारा स्मृति 2.0 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कोफोर्ज लिमिटेड की कैंपस हायरिंग लीड नेहा सिंह ने विद्यार्थियों को कैंपस प्लेसमेंट और करियर की तैयारी के महत्वपूर्ण टिप्स दिए। कैंपस से करियर तक विषय पर संबोधित करते हुए नेहा सिंह ने कहा कि प्लेसमेंट में सफलता के लिए तकनीकी ज्ञान के साथ प्रभावी संवाद कौशल, समस्या समाधान की क्षमता और पेशेवर दक्षता आवश्यक हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को भर्ती प्रक्रिया, कंपनियों की अपेक्षाओं और आईटी क्षेत्र में करियर के अवसरों की जानकारी दी। संवादात्मक प्रश्नोत्तर सत्र में विद्यार्थियों ने प्लेसमेंट की तैयारी से जुड़े सवाल पूछे और व्यावहारिक मार्गदर्शन प्राप्त किया।

फास्ट न्यूज

23 उपनिरीक्षकों के तबादले

मथुरा। मथुरा में कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए एसएसपी श्लोक कुमार ने रविवार रात 23 उपनिरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया। कई चौकी प्रभारियों को इधर-उधर किया गया है, जबकि पुलिस लाइन में तैनात उपनिरीक्षकों को अलग-अलग थानों में जिम्मेदारी दी गई है। एक साथ बड़ी संख्या में तबादलों से पुलिस विभाग में हलचल मच गई। जारी सूची के अनुसार, उपनिरीक्षक मोमराज सिंह को जिला अस्पताल चौकी से थाना बलदेव भेजा गया है।

कोलकाता जाने निकले ट्रक चालक का पत्थरों पर मिला शव

आगरा। आगरा-अलीगढ़ हाईवे पर रविवार देर रात 55 साल के ट्रक चालक का शव मिला। केएमडी अस्पताल के पास बिल्डिंग मैटेरियल की दुकान के बाहर पत्थरों पर शव पड़ा था। सिर में गहरी चोट थी और शरीर खून से लथपथ था। पुलिस के मुताबिक, घर से माल लेकर कोलकाता जाने की बात कहकर घर से निकले थे। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। पुलिस ने ट्रक के परिचालक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

आगरा में भाजपा सांसद-विधायक के समर्थकों में विवाद

आगरा। आगरा में भाजपा के प्रदेश महामंत्री रामप्रताप सिंह चौहान और एत्मादपुर विधायक धर्मपाल सिंह के समर्थकों के बीच सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर विवाद सामने आया है। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए हैं। पहले विधायक समर्थक की शिकायत पर FIR दर्ज हुई, इसके बाद राज्यसभा सांसद के समर्थक ने भी क्रॉस FIR दर्ज कराई।

विशेष रोजगार सृजन दिवस के अवसर पर विकास खंड बलदेव में लगभग 5,000 श्रमिकों को मिला रोजगार

तमसा संकेत, संवाददाता



मथुरा। विशेष रोजगार सृजन दिवस के अवसर पर विकास खंड बलदेव में वीबी-जी राम जी योजना के अंतर्गत लगभग 5,000 श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराया गया। योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी एवं उपयोगी आधारभूत परिसंपत्तियों का सृजन करने तथा ग्रामीण विकास को गति प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई। इस अवसर पर उपायुक्त श्रम रोजगार एवं खंड विकास अधिकारी, बलदेव नेहा रावत द्वारा विभिन्न ग्राम पंचायतों में संचालित कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कार्यों की गुणवत्ता, निर्धारित मानकों के अनुरूप क्रियान्वयन तथा श्रमिकों की वास्तविक सहभागिता का जायजा लिया गया। संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप, पूर्ण पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ संपादित किए जाएँ। "वीबी-जी राम जी योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के साथ-साथ ऐसी स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण करना है, जो भविष्य में ग्राम पंचायतों के विकास एवं ग्रामीण समुदायों के लिए उपयोगी सिद्ध हों। विशेष रोजगार सृजन दिवस के अवसर पर लगभग 5,000 श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराया जाना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता, कार्यों की गुणवत्ता तथा श्रमिकों के अधिकारों का संरक्षण सर्वोच्च प्राथमिकता है। यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कार्यस्थलों पर वास्तविक श्रमिकों की उपस्थिति हो, कार्यों का निष्पादन निर्धारित मानकों के अनुरूप हो तथा अभिलेखों एवं ऑनलाइन प्रक्रियाओं में पूर्ण पारदर्शिता बनी रहे। हमारा प्रयास है कि रोजगार सृजन के साथ-साथ ग्राम पंचायतों में ऐसी टिकाऊ परिसंपत्तियाँ विकसित हों, जिनका लाभ ग्रामीणों को दीर्घकाल तक प्राप्त हो सके।"

गांव से लौटे मकान मालिक को टूटा मिला मुख्य दरवाजे और अलमारियों का ताला

बंद मकान के ताले तोड़कर लाखों की चोरी, 7.5 लाख का सामान ले गए चोर

तमसा संकेत, एजेंसी





मथुरा। थाना रिफाइनरी क्षेत्र की बाद चौकी अंतर्गत आजमपुर कॉलोनी स्थित कृष्ण वाटिका में चोरों ने बंद मकान को निशाना बनाकर लाखों रुपये के सामान पर हाथ साफ कर दिया। मकान मालिक के गांव जाने के दौरान चोर घर में घुसे और मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर अंदर दाखिल हो गए। इसके बाद उन्होंने अलमारियों के ताले तोड़कर सोने की चेन, नकदी, लैपटॉप, बैटरी और गैस सिलेंडर समेत कई सामान चोरी कर लिए। गांव से लौटने पर मकान मालिक को घर के दरवाजे और अलमारियों के ताले टूटे मिले। घर के अंदर सामान बिखरा पड़ा था। पीड़ित ने चोरी गए सामान की कीमत करीब सात से साढ़े सात लाख रुपये बताई है। घटना की जानकारी मिलते ही उन्होंने डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

शाम को घर लौटे तो टूटा मिला मुख्य दरवाजे का ताला

मकान मालिक पवन कुमार ने बताया कि वह किसी काम से अपने गांव गए हुए थे। रविवार शाम करीब सात बजे जब वह वापस घर लौटे तो मुख्य गेट का ताला टूटा हुआ मिला। पहले तो उन्हें अनहोनी की आशंका हुई, लेकिन घर के अंदर पहुंचने पर स्थिति देखकर उनके होश उड़ गए। मकान के अंदर सामान इधर-उधर बिखरा पड़ा था और अलमारियों के ताले भी टूटे हुए थे। चोरों ने घर में रखे सामान को खंगालते हुए कीमती वस्तुएं चोरी कर ली थीं। पवन कुमार के अनुसार, घर में चोरी होने की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने आसपास के लोगों से भी पूछताछ की, लेकिन किसी को घटना के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। इसके बाद उन्होंने बिना देर किए डायल 112 पर फोन कर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक जानकारी जुटाई।

पीड़ित पवन कुमार ने बताया कि चोर घर से सोने की चेन, नकदी, एक लैपटॉप, एक बैटरी और एक गैस सिलेंडर चोरी कर ले गए हैं। इसके अलावा घर में रखे कुछ जरूरी कागजात भी गायब होने की आशंका है। चोरों ने अलमारियों के ताले तोड़कर उनमें रखा सामान निकाला। मकान मालिक के मुताबिक, चोरी गए सामान की कुल कीमत करीब सात से साढ़े सात लाख रुपये है। हालांकि, चोरी गए सभी सामान और उनकी कीमत का विस्तृत ब्योरा जांच के दौरान स्पष्ट हो सकेगा।

विधान परिषद चुनाव : मतदान कार्मिकों को दिया गया प्रशिक्षण

23 अक्टूबर को होगा स्नातक-शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र का मतदान

तमसा संकेत, संवाददाता



मथुरा। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के आगरा खंड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 को लेकर बीएसए इंजीनियरिंग कॉलेज में मतदान कार्मिकों का प्रशिक्षण संपन्न हुआ। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने प्रशिक्षण का जायजा लेकर अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्वाचन प्रक्रिया के नियमों का गंभीरता से अध्ययन करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि निर्वाचन कार्य महत्वपूर्ण और संवेदनशील है। प्रशिक्षण के दौरान कर्मचारी अपनी शंकाओं का समाधान कर लें, ताकि मतदान के समय किसी समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने बताया कि जनपद में स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के लिए 15-15 मतदान केंद्र और 19-19 मतदेय स्थल निर्धारित हैं। अंतिम प्रकाशित मतदाता सूची के अनुसार स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में 10,669 और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में 6,694 मतदाता हैं। आगरा खंड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के लिए 23 अक्टूबर को मतदान और 27 अक्टूबर को मतगणना होगी। मतदान के दौरान मतदाता फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत करना होगा। इसके अभाव में आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, पासपोर्ट सहित निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित 10 वैकल्पिक पहचान दस्तावेजों में से कोई एक दिखाकर पहचान प्रमाणित की जा सकेगी।

फैमिली बोली-बेल्टों से चमड़ी उधेड़ी फिर जख्मों पर रगड़ा नमक, एक्शन तो दूर एफआईआर तक नहीं

बीजेपी विधायक के टॉर्चर के शिकार रामू की हालत क्रिटिकल

तमसा संकेत, एजेंसी





मुरादाबाद। मुरादाबाद में भाजपा विधायक सुशांत सिंह के टॉर्चर का शिकार रामू कश्यप उत्तराखंड के काशीपुर हॉस्पिटल में मौत से जंग लड़ रहा है। उसकी हालत क्रिटिकल है। लेकिन मामले को दबाए रखने के लिए उसे दिल्ली के किसी बड़े हॉस्पिटल में भेजने से परहेज किया जा रहा है, क्योंकि विधायक को डर है कि दिल्ली जाने पर मामला उनकी पकड़ से दूर निकल सकता है। हालांकि, युवक को बेहतर इलाज दिलाने के लिए दिल्ली-गुड़गांव के बड़े डॉक्टर्स को फोन कॉल पर ही रामनगर के इस निजी अस्पताल से कनेक्ट करने की सूचनाएं मिल रही हैं। दूसरी ओर सत्ताधारी दल के विधायक को बचाने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह बैकफुट पर नजर आ रहा है। घटना को 4 दिन बीतने के बाद भी पीड़ित परिवार की तहरीर पर आरोपी विधायक और उसके गुर्गों के खिलाफ पुलिस ने एफआईआर तक दर्ज नहीं की है। एसपी ग्रामीण कुंवर आकाश ने शुक्रवार को संवाददाता से कहा कि अभी तक इस मामले में कोई प्रगति नहीं है। रामनगर में विधायक के महल से बमुश्किल 15 किमी की दूरी पर जिस प्राइवेट हॉस्पिटल में रामू का इलाज चल रहा है, उसे भी विधायक के गुर्गों ने कवर कर रखा है। हॉस्पिटल में रामू के आसपास हर किसी को एंट्री नहीं है। दूसरी ओर पीड़ित रामू के गांव को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। रामनगर हॉस्पिटल के सूत्र बताते हैं कि विधायक की बेहरम पिटाई से रामू की हालत इस कदर बिगड़ चुकी है कि 4 दिन में चौथी बार उसका डायलसिस करना पड़ा है। उसे यूरिन नहीं आने की दिक्कत है। जिससे उसकी हालत को लेकर डॉक्टर भी गंभीर हैं। उसे हॉस्पिटल आईसीयू में रखा गया है।

रामू के परिवार का आरोप है कि रामू को उल्टा लटकाकर बेल्ट और डंडों से पीटने के बाद भाजपा विधायक सुशांत सिंह ने उसके जख्मों पर नमक रगड़ा और उसके प्राइवेट पार्ट पर 10 से ज्यादा बार करंट दिया गया। जिसकी वजह से उसकी किडनी डैमेज हो गईं। पीड़ित परिवार का कहना है कि भाजपा विधायक सुशांत ने अपने रतूपुरा स्थित महल में रामू और अपने दो नौकरों को 4 दिनों तक बंधक बनाकर टॉर्चर किया। इस दौरान पीड़ित परिवार अपने बेटों को छुड़ाने के लिए पुलिस से लेकर नेताओं की चौखट तक गुहार लगाते रहे लेकिन सत्ताधारी दल के विधायक से सवाल करने की हिम्मत कोई नहीं जुटा सका। पीड़ित परिवार ने विधायक के महल की चौखट पर भी रहम की गुहार लगाई लेकिन विधायक ने तीनों युवकों को तभी छोड़ा जब वे मरणांसन्न हालत में पहुंच गए और उनकी हालत देख पीड़ित परिवार व भीड़ बेकाबू होने लगी। मुरादाबाद में बढ़ापुर से भाजपा विधायक कुंवर सुशांत सिंह पर अपने दो नौकरों समेत तीन युवकों को बेरहमी से पीटने का आरोप लगा है। घायल युवक के मुताबिक, चोरी के शक में उन्हें विधायक के महल में रस्सियों से बांधकर उल्टा लटकाया गया। इसके बाद बेल्ट और डंडों से पीटा गया।

पृष्ठ 01 का शेष...

कांग्रेस को नेतृत्व ...

इससे बड़े पैमाने पर जनहानि रोकी गई है। इसके बावजूद कोई व्यक्ति आकाशीय बिजली की चपेट में आता है तो 24 घंटे के भीतर 5 लाख रुपए की सहायता दी जाती है। सीएम ने कहा कि चक्रवात और अतिवृष्टि से बड़े नुकसान के बावजूद सरकार ने 10 दिन के भीतर मुआवजा भेजा है। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि जिन किसानों की फसलें खराब हुई हैं, ऐसे 9 लाख से अधिक किसानों के खातों में डीबीटी के जरिए 493 करोड़ रुपए से अधिक की राहत राशि भेजी जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा ने चुनाव घोषणा पत्र में एक लाख रुपए तक के कृषि कर्ज माफ करने का वादा किया था, जिसे पूरा किया गया। कार्यक्रम के दौरान सांसद रविकिशन ने कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही से मजाकिया अंदाज में कहा- सिनेमा में आप आएंगे जरूर। अगली बारी आपकी मुझे फिल्मों में दिखाई दे रही है। दरअसल, सूर्य प्रताप शाही ने अपने संबोधन में रविकिशन को सांसद कम और कलाकार ज्यादा बताया था। इस पर रविकिशन ने उन्हें बीच में टोकते हुए कहा- कइसन सांसद कम हो? सांसद कम हईं। इसके बाद उन्होंने मौजूद लोगों से पूछा कि क्या वह सांसद कम हैं? रविकिशन ने कहा कि 2017 से पहले किसान कर्ज और भुखमरी से परेशान थे। बाढ़ आने पर उनके सामने खाने तक का संकट खड़ा हो जाता था। उन्होंने कहा कि आज सरकार 80 करोड़ लोगों को राशन दे रही है। लोगों को याद रखना चाहिए कि पहले किसानों को किन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता था और मौजूदा सरकार किस तरह उनकी मदद कर रही है। कृषि निवेश अनुदान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद रविकिशन ने कहा कि मोदी और योगी सरकार में किसान और गरीब परिवार का हिस्सा हैं। मुख्यमंत्री के दरवाजे जरूरत-मंदों के लिए हमेशा खुले रहते हैं। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए भी सरकार तत्पर है। रविकिशन ने आरोप लगाया कि पिछली सरकारों में किसानों को इस तरह की राहत नहीं मिलती थी और नेता-मंत्री पैसा लूट लेते थे। गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मिशन शक्ति के छठे चरण के तहत आयोजित जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में 500 से अधिक महिलाएं शामिल हुईं। इसका उद्देश्य महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। प्रदेश में इस साल बाढ़, अतिवृष्टि, ओलावृष्टि और चक्रवात के कारण किसानों की फसलों को काफी नुकसान पहुंचा है। सितंबर के अंतिम सप्ताह में आए अर्नव चक्रवात से भी फसलों को क्षति हुई थी। इसके बाद सरकार ने प्रभावित किसानों को राहत देने के लिए कृषि निवेश अनुदान जारी करने की तैयारी की। राहत आयुक्त कार्यालय के मुताबिक, चालू वित्तीय वर्ष में 9 अक्टूबर तक 9 लाख 18 हजार 91 किसानों को फसल क्षति के लिए चिह्नित किया गया है। इन किसानों को कुल 493 करोड़ रुपये की सहायता दी जाएगी। प्राकृतिक आपदाओं से फसल क्षति के लिए 169 करोड़ रुपये कृषि निवेश अनुदान के रूप में पहले ही जिलों को जारी किए जा चुके हैं। इसके तहत 1 लाख 29 हजार 326 किसानों को 78.75 करोड़ रुपये दिए जा चुके हैं। इसके अलावा प्राकृतिक आपदाओं में जनहानि, पशुहानि और मकानों को हुए नुकसान के मामलों में प्रभावित परिवारों को 225.93 करोड़ रुपये की सहायता राशि वितरित की गई है।

फॉर्म-6 पर हमने ...

जस्टिस बागची ने कहा कि नए फॉर्म 6 पर कोई फैसला नहीं हुआ है। मंजूरी मिली है या नहीं, जब बिहार पर फैसला हुआ था, तब नया फॉर्म 6 कोर्ट के सामने नहीं था। वहीं सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि कृपया न्यूज आइटम के लिए शब्दों को चुन-चुनकर इस्तेमाल न करें। जस्टिस बागची ने कहा कि नए फॉर्म 6 पर कोई फैसला नहीं हुआ है। CJI ने यह कहा था कि जब बिहार SIR मामले में फैसला सुनाया गया था, तब नया फॉर्म 6 मौजूद नहीं था। कोर्ट ने यह भी कहा कि इसका मतलब यह नहीं है कि सुप्रीम कोर्ट ने इसे मंजूरी दी है या मंजूरी नहीं दी है। दरअसल, चुनाव आयोग ने 26 सितंबर को जारी प्रेस विज्ञप्ति में मई 2026 के बिहार SIR संबंधी फैसले का हवाला देते हुए फॉर्म-6 के घोषणा-पत्र को सुप्रीम कोर्ट से बरकरार रखे जाने की बात कही थी। सोमवार की सुनवाई में अदालत ने स्पष्ट कर दिया कि नए फॉर्म-6 पर उसने कोई न्यायिक निर्णय नहीं दिया है। फॉर्म 6 भारत में मतदाता सूची में किसी व्यक्ति का नाम शामिल कराने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला लीगल आवेदन है। इसे कोई भी नागरिक नया वोटर बनने के लिए भरता है। या जो किसी और जगह से शिफ्ट होकर आए हैं, वो अपना नाम वोटर लिस्ट में जुड़वाने के लिए फॉर्म 6 भरते हैं। मौजूदा विवाद ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया में जोड़े गए एक अतिरिक्त घोषणा-पत्र को लेकर है, जिसमें आवेदक या उसके माता-पिता के साथ दादा-दादी का किसी पिछली मतदाता सूची में नाम होने के बारे में जानकारी मांगी गई। विपक्ष का आरोप है कि यह घोषणा-पत्र संसद की मंजूरी के बिना जोड़ा गया है, जो कानूनी तौर पर गलत है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सवाल उठाया कि आखिर किसने यह बदलाव करने का आदेश दिया। चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने भी इस बदलाव पर आपत्ति जताते हुए इसे 'अनधिकृत' बताया था। बाद में चुनाव आयोग ने उन राज्यों में यह घोषणा हटा दी, जहां SIR पूरा हो चुका है, लेकिन जहां अभी चल रहा है, वहां यह अभी भी बरकरार है। चुनाव आयोग के निर्देशों के अनुसार, बिहार राज्य के 38 मतदाता विवरण अधिकारियों (डीईओ) ने यह सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय अभियान शुरू किया है कि कोई भी पात्र मतदाता मतदाता सूची से न छूटे। इसके लिए राज्य के 90,712 बूथों पर विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। यदि किसी व्यक्ति को कोई शिकायत है, तो 90,712 बीएलओ, 2,976 एईआरओ, 243 ईआरओ या 38 डीईओ में से किसी को भी सूचित कर सकते हैं।

कैंसर रोधी दवाओं ...

केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी पेश हुए। बेंच ने कहा, हम मानते हैं कि परिवहन, कच्चे माल, रिसर्च एंड डेवलपमेंट और दूसरी लागत होती हैं। लेकिन ये सभी MRP में शामिल होती हैं। उन्हें असली लागत से 400 गुना ज्यादा कीमत पर बेचने की अनुमति देने का क्या तर्क है? आप ऐसा कैसे होने दे सकते हैं? भाटी ने कहा कि भारत में दवाओं की कीमत दुनिया में सबसे कम है। उन्होंने कहा कि इसी वजह से इलाज के लिए बड़ी संख्या में लोग भारत आते हैं। तुषार मेहता ने कहा कि दवाओं की कीमत एक सीमा से ज्यादा नियंत्रित नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि ज्यादा मार्जिन मिलने से दवाएं दूर-दराज के इलाकों तक पहुंचती हैं। जस्टिस मेहता ने कहा, "अगर DPCO से मंजूर दवाएं ग्राहकों तक नहीं पहुंचतीं, तो मरीजों तक उन्हें पहुंचाना सरकार की जिम्मेदारी है। असल विवाद यह है कि DPCO की नियंत्रित सूची में कौन-सी दवाएं होनी चाहिए और कौन-सी नहीं।" केंद्र ने 551 पन्नों के विस्तृत हलफनामे में कहा कि नेशनल लिस्ट ऑफ एसेंशियल मेडिसिन्स (NLEM) स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय तैयार और प्रकाशित करता है। केंद्र ने कहा कि NLEM स्टैंडिंग नेशनल कमेटी ऑन मेडिसिन्स तैयार करती है। इसमें सभी संबंधित पक्ष और विशेषज्ञ शामिल होते हैं। कमेटी विश्व स्वास्थ्य संगठन की एसेंशियल मेडिसिन्स लिस्ट, नेशनल हेल्थ प्रोग्राम में इस्तेमाल होने वाली दवाओं, इंडियन फार्माकोपिया और नेशनल फॉर्म्युलरी पर विचार करती है। केंद्र के अनुसार, NLEM 2022 में 388 दवाएं और 900 से ज्यादा फॉर्म्युलेशन शामिल हैं। केंद्र ने बताया कि DPCO, 2013 की शेड्यूल-I में शामिल दवाओं की सीलिंग कीमत बाजार के आंकड़ों के आधार पर तय होती है। इसके लिए उन सभी ब्रांडेड और जेनेरिक दवाओं की कीमत का साधारण औसत लिया जाता है, जिनकी बाजार हिस्सेदारी कुल बाजार कारोबार में 1% या उससे ज्यादा होती है।

श्रीलंका को 82 रन से हराया, सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बनाई, श्रीलंकाई टीम घर से बाहर लगातार तीसरी टी-20 सीरीज हारी है

पाकिस्तान टी-20 में अपना दूसरा सबसे बड़ा स्कोर बनाकर जीता

खेल

इस्लामाबाद, एजेंसी



पाकिस्तान ने दूसरे टी-20 इंटरनेशनल में श्रीलंका को 82 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ पाकिस्तान ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। श्रीलंकाई टीम घर से बाहर लगातार तीसरी टी-20 सीरीज हारी है। पाकिस्तान ने रविवार को टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 3 विकेट पर 215 रन बनाए। यह टी-20 इंटरनेशनल में पाकिस्तान का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। टीम का सर्वोच्च स्कोर 232/6 है, जो उसने 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ बनाया था। जवाब में श्रीलंका की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 133 रन ही बना सकी। तेज गेंदबाज मोहम्मद इमरान ने 11 रन देकर 3 विकेट लिए। इससे पहले माज सदाकत ने 51 गेंदों पर 96 और कप्तान साहिबजादा फरहान ने 73 रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों को कैच छूटने का फायदा मिला।

216 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत खराब रही। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज सलमान मिर्जा ने पहले ही ओवर में लहिरु उदारा को आउट कर दिया। इसके बाद अपना दूसरा टी-20 इंटरनेशनल खेल रहे मोहम्मद इमरान ने स्विंग गेंदबाजी से श्रीलंका के शीर्ष क्रम को झकझोर दिया।

इमरान ने 4 ओवर में 11 रन देकर सिनेथ जयवर्धने (22), कप्तान कुसल मेंडिस (9) और सहन अराचिगे (0) के विकेट लिए। श्रीलंका ने 8वें ओवर तक 49 रन पर 4 विकेट गंवा दिए थे और इसके बाद टीम संभल नहीं सकी।

श्रीलंका के कप्तान कुसल मेंडिस ने हार के बाद कहा कि बल्लेबाजों को, उनमें खुद भी शामिल हैं, जिम्मेदारी लेनी होगी। उन्होंने कहा, 'यह बैटिंग के लिए अच्छी पिच थी। हमें कम से कम 200 रन बनाने चाहिए थे।' मेंडिस ने कहा- 'पिछले कुछ टूर्नामेंट में हमारी फील्डिंग अच्छी रही थी, लेकिन इस सीरीज के दोनों मैचों में हम उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके।'



कैच छूटने का पाकिस्तान के बल्लेबाजों ने उठाया फायदा

श्रीलंका की खराब फील्डिंग का पाकिस्तान के बल्लेबाजों ने पूरा फायदा उठाया। कप्तान साहिबजादा फरहान जब 11 रन पर थे, तब सिनेथ जयवर्धने ने उनका आसान कैच छोड़ दिया। इससे पहले बिनुरा फर्नांडो के ओवर में महेश तीक्षणा ने भी उनका मुश्किल कैच टपकाया था। दो जीवनदान मिलने के बाद फरहान ने 5 छक्कों और 4 चौकों की मदद से 73 रन बनाए। 15वें ओवर में दासुन शनाका की गेंद पर महेश तीक्षणा ने सीमा रेखा के पास उनका कैच पकड़ा।

माज सदाकत 4 रन से शतक चूके

कैरेबियन प्रीमियर लीग (CPL) में लगातार दो शतक लगाने वाले बाएं हाथ के युवा बल्लेबाज माज सदाकत ने अपनी फॉर्म जारी रखी। 44 रन के निजी स्कोर पर नुवान तुषारा ने अपनी ही गेंद पर उनका कैच छोड़ दिया था। सदाकत ने 51 गेंदों पर 7 छक्कों और 6 चौकों की मदद से 96 रन बनाए। पारी की आखिरी गेंद पर ईशान मलिंगा की गेंद पर डीप कवर में कैच आउट होने से वह अपने पहले टी20 इंटरनेशनल शतक से चूक गए। सदाकत ने कहा, 'मैं अपनी फॉर्म का पूरा फायदा उठाना चाहता था। मुझे खुद पर भरोसा था। मैं सकारात्मक इरादे से बल्लेबाजी करना और सही गेंदों पर बाउंड्री लगाना चाहता था।'



रणजी ट्रॉफी के बीच इंडिया-ए का न्यूजीलैंड दौरा क्यों- वेंगसरकर

घरेलू क्रिकेट की अहमियत कम होगी, 24 अक्टूबर से शुरू होगा टूर्नामेंट

- वेंगसरकर बोले- घरेलू सीजन के दौरान इस तरह के टूर करना बेतुका
- कंडीशंस भांपने के लिए मुख्य टीम को जल्दी भेजिए- वेंगसरकर

नई दिल्ली, एजेंसी



पूर्व भारतीय कप्तान दिलीप वेंगसरकर ने रणजी ट्रॉफी सीजन के बीच में इंडिया-ए टीम को न्यूजीलैंड भेजने पर नाराज हैं। उन्होंने BCCI के इस फैसले की आलोचना की है।

70 साल के वेंगसरकर ने कहा, 'जब रणजी ट्रॉफी सीजन चल रहा है, तब इंडिया ए का दौरा क्यों कराया जा रहा है? फिर रणजी ट्रॉफी कराने का क्या मतलब है?'

इंडिया ए को 24 अक्टूबर से न्यूजीलैंड का दौरा करना है। उसे वहां पर 3 मल्टी डे मैच खेलने हैं। टीम इंडिया की कप्तानी ध्रुव जुरेल को सौंपी गई है।

वेंगसरकर ने कहा, 'अपने घरेलू सीजन के दौरान इंडिया-ए का इस तरह का दौरा पूरी तरह बेतुका है। इससे देश के प्रमुख घरेलू टूर्नामेंट का महत्व कम हो रहा है।'

वेंगसरकर ने कहा, 'अगर आपके सर्वश्रेष्ठ घरेलू खिलाड़ी रणजी ट्रॉफी के दौरान इंडिया ए के लिए खेल रहे हैं, तो रणजी में रन बनाने और विकेट लेने वाले खिलाड़ियों के प्रदर्शन का महत्व कम हो जाता है।' वेंगसरकर ने कहा, 'अगर आप चाहते हैं कि आपके खिलाड़ी परिस्थितियों और स्थानीय माहौल के जल्दी अभ्यस्त हों, तो अपनी मुख्य टीम को जल्दी भेजिए।'

116 टेस्ट खेल चुके वेंगसरकर ने आगे कहा, 'उन खिलाड़ियों को भेजने का कोई मतलब नहीं है, जो टेस्ट सीरीज में खेलने वाले ही नहीं हैं।' वेंगसरकर भारत के पूर्व मुख्य चयनकर्ता भी रह चुके हैं। उन्होंने पहले भी घरेलू कैलेंडर के दौरान इंडिया A टूर और घरेलू सीरीज कराने के BCCI के फैसले पर सवाल उठाए हैं।

हम विंडीज को वापसी का मौका नहीं देना चाहते थे, भारत ने जीता तीसरा टी-20

स्प्रिंगर के शॉर्ट देखकर हैरान था : अभिषेक शर्मा

बढ़त

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने इंदौर के होलकर स्टेडियम में वेस्टइंडीज को तीसरे टी-20 में 14 रन से हराकर 5 मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली। रविवार को मैच के बाद भारतीय ओपनर अभिषेक शर्मा ने कहा- 'आज स्प्रिंगर ने जिस तरह बल्लेबाजी की, उससे मैं सच में हैरान था। उसने ऐसे शॉट खेले, जो आसान नहीं थे।'

स्प्रिंगर 8वें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे और 11 गेंद पर 2 चौके और 4 छक्के के सहारे नाबाद 35 रन बना दिए। उन्होंने 318.18 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए। हालांकि, टीम इंडिया ने मैच जीत लिया। अभिषेक ने अपनी धीमी शुरुआत की वजह भी बताई। उन्होंने कहा कि वेस्टइंडीज ने उन्हें आउट करने के लिए प्लान बनाए थे। उन्होंने कहा, 'पहले ओवर में ऑफ स्पिनर रोस्टन चेज गेंदबाजी कर रहे थे। मैंने उन्हें सम्मान दिया। अभिषेक ने कहा- चेज इस सीरीज में बहुत अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं। पावरप्ले में मैं कुछ रन बनाने की कोशिश कर रहा था। उनके पास मेरे लिए कुछ प्लान थे और मुझे उससे बेहतर खेलना था।'



मैच के बाद स्प्रिंगर का बल्ला देखते भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर।

टीम हडल में तय किया था कि हमें सख्त रहना है

भारतीय ओपनर अभिषेक शर्मा ने कहा कि टीम ने हडल में तय किया था कि हमें पूरे मैच के दौरान सख्त बने रहना है। टीम वेस्टइंडीज को वापसी का एक भी मौका नहीं देना चाहती थी।

अभिषेक ने कहा कि वेस्टइंडीज ऐसी टीम है, जिसके खिलाफ कभी नहीं कहा जा सकता कि मैच भारत के हाथ में आ गया है। उन्होंने कहा कि टीम को पता था कि वहां के हालात में बल्लेबाज किसी भी स्थिति से मैच छीन सकते हैं।



अभिषेक ने कहा- एक भी खराब गेंद नहीं डालना चाहते थे

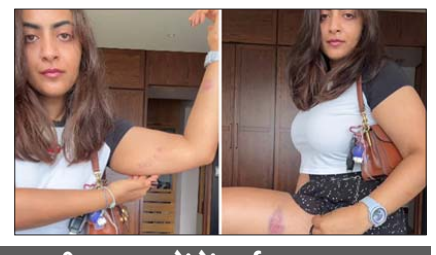
अभिषेक शर्मा ने कहा कि दूसरे मैच के बाद भारतीय टीम इस बार पूरी तरह तैयार थी। टीम का फोकस खराब गेंदों से बचने का था। अभिषेक ने कहा, 'गेंदबाजी के दौरान पावरप्ले अच्छा रहने के बावजूद हम उन्हें एक भी खराब गेंद नहीं दे सकते थे।' क्योंकि, हम उन्हें वापसी का मौका नहीं देना चाहते थे।

मनोरंजन



वीडियो जारी कर दिखाए चोट के कई निशान, प्रोटेस्ट से इमरान खान के साथ डिटेन हुई थीं

आमिर खान की भांजी के साथ पुलिस ने की बर्बरता



नई दिल्ली। आमिर खान की भांजी जैन मैरी 8 अक्टूबर को मुंबई में कॉकरोच जनता पार्टी के प्रोटेस्ट का हिस्सा बनी थीं। उनके साथ कजिन एक्टर इमरान खान भी पहुंचे थे। प्रोटेस्ट का हिस्सा बनने पर उन्हें डिटेन किया गया था। अब जैन ने एक वीडियो जारी कर डिटेनशन के समय हुई बर्बरता से शरीर पर लगे चोट के निशान दिखाए हैं। जैन मैरी ने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से वीडियो शेयर किया जिसमें उनकी बांह, उंगलियों और पैरों पर चोट के कई निशान दिख रहे हैं। चोट दिखाते हुए जैन ने कहा, "हमें इतना मत डराइए कि पहले से कोई डर ही बाकी न रहे।" जैन ने इंस्टाग्राम स्टोरी से भी एक वीडियो जारी कर दिखाया है कि उनकी जांघ में नील पड़ चुके हैं। इसके साथ उन्होंने लिखा, 'कुछ मेरी कला और कुछ मुंबई पुलिस और राइट कंट्रोल ऑफिसर्स की। ये नर्क की तरह दर्दनाक है, लेकिन आर्ट और कराओके करेंगे।' जैन मैरी, इमरान खान और लेखा वॉशिंगटन को शनिवार को मुंबई के अगस्त क्रांति मैदान में प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिया गया था। तीनों को कुछ घंटे बाद छोड़ दिया गया। इसके बाद रविवार को इमरान खान के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई। कॉकरोच जनता पार्टी के सदस्य मतदाता सूची के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) में कथित गड़बड़ियों को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे थे।

बीएनएस की 5 धाराओं में दर्ज हुआ मामला

मुंबई पुलिस ने रविवार को बताया कि इमरान खान के खिलाफ दर्ज एफआईआर में भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 (आदेश न मानना), 126(2) (गलत तरीके से रोकना), 189(2) (गैर-कानूनी जमावड़ा), 189(3) और 189(5) लगाई गई हैं। इस मामले में पुलिसकर्मी खुद ही शिकायतकर्ता बने हैं। जैन मैरी ने सोशल मीडिया पर डिटेन किए जाने का वीडियो जारी किया, जिसमें वो, लेखा और इमरान लगातार पुलिस से डिटेन किए जाने की वजह पूछते नजर आ रहे हैं। इसके अलावा भी जैन ने पुलिस वैन से एक वीडियो जारी किया। जैन ने दावा किया कि उन्हें कथित तौर पर यह नहीं बताया गया कि उन्हें कहां ले जाया जा रहा है। लेखा वॉशिंगटन ने शनिवार रात इंस्टाग्राम पर एक रील शेयर कर बताया कि रिहाई के बाद वे सुरक्षित हैं। साथ ही लेखा ने दावा किया कि रिहाई के बाद भी उनकी मुश्किलें जारी रहीं। उन्होंने कहा कि वे घर लौटने के लिए कैब बुक नहीं कर सके।



अन्य प्रदर्शनकारियों की ओर से शेयर किए गए वीडियो में इमरान भी घटना के बारे में बोलते दिखे। उन्होंने दावा किया कि उन्हें, लेखा और जैन को करीब दो घंटे तक पुलिस वैन में घुमाया गया। इमरान के मुताबिक, इस दौरान उन्हें हिरासत में लिए जाने की कोई वजह नहीं बताई गई।

होटल रेड में 35 साल की टीवी एक्ट्रेस रेस्क्यू

एनजीओ ने पुलिस को दी सेक्स रैकेट की सूचना, प्रोटेक्शन सेंटर में रखी गईं

नई दिल्ली, एजेंसी



महाराष्ट्र पुलिस ने ठाणे के एक होटल में रेड कर देह व्यापार और मानव तस्करी के एक कथित रैकेट का खुलासा किया है। इस कार्रवाई में 35 साल की एक टीवी एक्ट्रेस को भी रेस्क्यू किया गया है। वहीं रैकेट चलाने वाली एक 39 साल की महिला की भी गिरफ्तारी हुई है, जो एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से जुड़ीं महिलाओं को देह व्यापार में फंसाती थी। पुलिस के मुताबिक, इस गिरोह पर टीवी सीरियल, वेब सीरीज में काम करने वाली एक्ट्रेसेस को फंसाया जा रहा था। इन्हें फोटोशूट के नाम पर बुलाया जाता और बाद में जबरन रैकेट में शामिल किया जाता था।

महाराष्ट्र पुलिस को एक NGO से इस कथित रैकेट की जानकारी मिली थी। इसके बाद 8 अक्टूबर को पुलिस ने मीरा-भायंदर रोड स्थित एक होटल में नकली, अंडरकवर ग्राहक भेजा। जानकारी जुटाने के बाद पुलिस ने होटल में छापा मारा।

इस दौरान पुलिस ने तबस्सुम उर्फ सोनिया उमर कुरैशी (39) को पकड़ा। पुलिस का आरोप है कि वह महिलाओं को देह व्यापार में धकेलने के बदले पैसे ले रही थी। इस रेड में 35 साल की टीवी एक्ट्रेस को रेस्क्यू किया गया। वह हिंदी टीवी सीरियल और वेब सीरीज में काम कर चुकी हैं। बचाव के बाद उन्हें मुंबई के रेस्क्यू फाउंडेशन में सुरक्षा के लिए रखा गया है। पुलिस ने एक्ट्रेस का नाम और उनके काम से जुड़ी दूसरी जानकारियां सार्वजनिक नहीं की हैं। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार महिला और उसका कथित साथी मनोरंजन जगत में काम करने वाली महिलाओं को निशाना बनाते थे। हालांकि, पुलिस ने अभी यह नहीं बताया है कि इस मामले में कुल कितनी महिलाएं प्रभावित हुई हैं और कथित रैकेट कितने समय से चल रहा था। तबस्सुम उर्फ सोनिया उमर कुरैशी छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले की रहने वाली है और फिलहाल मुंबई के जोगेश्वरी इलाके में रहती थी। उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 143 और अनैतिक व्यापार (रोकथाम) अधिनियम के संबंधित प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

2026 का ये इस तरह का तीसरा मामला

1. सितंबर 2026 भोजपुरी फिल्मों और हिंदी वेब सीरीज में काम कर चुकी 26 वर्षीय एक्ट्रेस पर कथित देह व्यापार का रैकेट चलाने का आरोप लगा। पुलिस ने दो महिलाओं को बचाया। रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी को हिरासत में लिया गया और मामले की जांच शुरू हुई। एक्ट्रेस की पहचान रिपोर्ट में नहीं बताई गई।

2. जून 2026 मुंबई पुलिस ने एक होटल में कथित देह व्यापार के रैकेट पर कार्रवाई की। रिपोर्टों के मुताबिक, मराठी फिल्म की एक लीड एक्ट्रेस और बंगाली फिल्मों में काम कर चुकी दूसरी एक्ट्रेस को बचाया गया। मामले में एक मेकअप आर्टिस्ट को कथित तौर पर ग्राहकों और महिलाओं के बीच संपर्क कराने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

नवरात्रि के पहले दिन नैना देवी मंदिर पहुंचीं जाह्नवी कपूर

रिया चक्रवर्ती के साथ नैनीताल में कर रहीं शूटिंग, बारिश के बीच रोमांटिक सॉन्ग शूट किया



नैनीताल। नैनीताल में बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर और रिया चक्रवर्ती अपनी नई थ्रिलर-रोमांटिक फिल्म 'पीएन 36' की शूटिंग कर रही हैं। रविवार को नवरात्रि के पहले दिन व्रत रखकर जाह्नवी कपूर होटल से करीब 150 मीटर पैदल चलकर नैना देवी मंदिर पहुंचीं। यहां उन्होंने मां की आरती की और पूजा-अर्चना की। मंदिर समिति की ओर से उन्हें मां की चुनरी भेंट की गई। जाह्नवी और रिया ने बारिश और बादलों के बीच फिल्म के एक रोमांटिक सॉन्ग की शूटिंग भी की। अब तक फिल्म की शूटिंग नैनीताल के स्विस होटल में हुई है।

शनिवार को दोनों एक्ट्रेस ने यहां शूटिंग की थी। वहीं, होटल नमः में भी फिल्म के कुछ सीन फिल्माए गए हैं। हालांकि, यह शूटिंग नैनीताल से बाहर हुई है। शूटिंग के बीच दोनों एक्ट्रेस नैनीताल में ही हैं। ब्रेक के दौरान उनके आसपास के इलाकों में घूमने की संभावना है। दोनों के कैंची धाम जाने की भी चर्चा है, हालांकि अभी दर्शन का कार्यक्रम तय नहीं हुआ है। जाह्नवी कपूर अपनी फिटनेस का भी ध्यान रख रही हैं। वह सुबह करीब 7 बजे मल्लीताल के रोपवे मार्ग स्थित बुल्स जिम में वर्कआउट करने पहुंची थीं। 'पीएन 36' में साउथ की एक्ट्रेस श्रीलीला और एक्टर सिद्धार्थ गुप्ता भी नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन उमेश बिष्ट कर रहे हैं।



हूती विद्रोहियों ने रियाद एयरपोर्ट पर मिसाइल दागी, भारतीय समेत 13 लोगों की मौत

सऊदी अरब पर 10 साल में सबसे बड़ा हमला

हमला

रियाद/नई दिल्ली, एजेंसी

यमन के हूती विद्रोहियों ने शनिवार रात सऊदी अरब में रियाद एयरपोर्ट पर हमला किया। इसमें एक भारतीय समेत 13 लोग मारे गए और 300 से ज्यादा घायल हुए।

इसके बाद सऊदी सरकार ने रियाद एयरपोर्ट पर इंटरनेशनल फ्लाइट्स का संचालन रोक दिया। हालांकि अगले ही दिन रविवार को हूती विद्रोहियों ने घरेलू उड़ानों के लिए इस्तेमाल होने वाले टर्मिनल पर हमला कर दिया। इसमें एक पाकिस्तानी नागरिक की मौत हो गई। 10 अक्टूबर को रियाद एयरपोर्ट पर हुआ हमला पिछले एक दशक में सऊदी अरब पर सबसे बड़ा हमला था। इससे पहले मई 2015 में एक



रियाद एयरपोर्ट पर शनिवार को हुए हमले का वीडियो। इस हमले में करीब 300 लोग घायल हुए थे।

सऊदी के कातिफ में एक शिया मस्जिद पर हमला हुआ था जिसमें 21 लोगों की मौत हो गई थी। इसकी जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट ने ली थी। सऊदी अरब पर बढ़ते हमले के बीच कई अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस ने रियाद और दूसरे सऊदी एयरपोर्ट के लिए उड़ानें रोक दी हैं। इनमें एयर इंडिया, फ्लाईदुबई, लुफ्थांसा ग्रुप और पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस शामिल हैं। भारत के विदेश मंत्रालय ने रविवार को रियाद एयरपोर्ट पर हुए मिसाइल हमले की निंदा की। मंत्रालय ने कहा कि आम नागरिकों और उनके इस्तेमाल वाली जगहों को बार-बार निशाना बनाना बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। ऐसे हमले तुरंत बंद होने चाहिए।

इंटरनेशनल उड़ानें बंद, अब घरेलू उड़ान पर भी संकट

हूती विद्रोहियों के हमले के बाद रियाद एयरपोर्ट की इंटरनेशनल उड़ानें शनिवार से ही बंद हैं। विद्रोहियों ने एयरपोर्ट और सऊदी के हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल नहीं करने की चेतावनी दी है।

रविवार को एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 और टर्मिनल-4 पर हमला हुआ। यहां से घरेलू उड़ानें संचालित होती हैं। एयरपोर्ट पर मौजूद एक यात्री के मुताबिक, रविवार रात करीब 8:30 बजे एक गोला रनवे पर गिरा। यह कई खड़े विमानों के पास गिरा, जिससे वहां आग लग गई। उस समय यात्री विमान रनवे पर पार्किंग की जगह की ओर बढ़ रहा था।

हूतियों का कहना है कि वे यमन के गृहयुद्ध में सऊदी अरब की भूमिका के विरोध में हमले कर रहे हैं। हूतियों का कहना है कि सऊदी अरब के एयरपोर्ट को फिर निशाना बनाया जा सकता है।



सऊदी अरब के रियाद एयरपोर्ट पर हमले के बाद आग की लपटें दिखाई दे रही हैं। यह तस्वीर 11 अक्टूबर के हमले की है।

सऊदी अरब में भारतीय दूतावास ने एडवाइजरी जारी कर भारतीयों को सतर्क रहने, जरूरत पड़ने पर घरों के अंदर रहने और स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की सलाह भी दी है।

7 अक्टूबर - रियाद एयरपोर्ट पर हमले में 1 सूडानी नागरिक की मौत और 8 लोग घायल हुए। इसी दौरान आभा एयरपोर्ट पर अलग हमले में 2 लोगों की मौत हुई और 28 घायल हुए।

सोना आज 1,005 रुपए सस्ता हुआ

10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1.48 लाख रुपए पर आया

नई दिल्ली, एजेंसी



सोने-चांदी की कीमतों में 12 अक्टूबर को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,005 रुपए गिरकर 1.48 लाख रुपए आ गया है। वहीं, एक किलो चांदी 235 रुपए घटकर 2.21 लाख रुपए पर आ गई है।

इससे पहले बीते महीने यानी सितंबर में सोना 8 हजार और चांदी 15 हजार सस्ती रुपए हुई। 31 अगस्त को सोना 1.56 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम पर था जो 30 सितंबर को 1.48 लाख रुपए पर आ गया। इसी तरह 1 किलो चांदी की कीमत 2.37 लाख रुपए से गिरकर 2.22 लाख रुपए पर आ गई।

अमेरिका के केंद्रीय बैंक 'फेडरल रिजर्व' ने 3 साल में पहली बार ब्याज दरें बढ़ाई है। इससे सोने के दाम में गिरावट है।

अमेरिका-ईरान जंग और आर्थिक अनिश्चितता के कारण सोने को सपोर्ट मिल सकता है।निवेशक सोने को सुरक्षित निवेश के रूप में फिर चुन सकते हैं।

निवेशकों को सतर्क रहना चाहिए क्योंकि बाजार में अब भी कमजोरी के संकेत दिख रहे हैं। किसी भी बड़ी गिरावट पर खरीदारी का मौका भी बन सकता है।

सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें: हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें।

फास्ट न्यूज

पाकिस्तानी सेना का विमान ट्रेनिंग के दौरान क्रैश

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी सेना का एक विमान तकनीकी खराबी के कारण ट्रेनिंग के दौरान क्रैश हो गया, जिसमें दो पायलटों की मौत हो गई। घटना बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा के पास हुई है। सेना ने न्यूज एजेंसी PTI को मामले की जानकारी देते हुए कहा, 'दोपहर के समय, तकनीकी खराबी के कारण पाकिस्तानी आर्मी एविएशन का एक मुशशक ट्रेनिंग विमान क्वेटा के नवां किल्ली के पास क्रैश हो गया।'

टूटे एंकल के इलाज के लिए अस्पताल गई 21 वर्षीय छात्रा की मौत

वाशिंगटन। अमेरिका के कनेक्टिकट राज्य में पैर का टखना टूटने पर इलाज कराने गई 21 वर्षीय कॉलेज छात्रा की पेनकिलर्स के ओवरडोज़ के कारण मौत हो गई। मृतका डेल एलिस मार्टिन टेक्सास की ट्रिनिटी यूनिवर्सिटी में अंग्रेजी और इतिहास की पढ़ाई कर रही थीं। उनके परिवार ने अस्पताल पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए अदालत में मुकदमा दायर किया है। डेल एलिस मार्टिन 10 अप्रैल 2025 को खेत में काम करते समय चोटिल हो गई थीं, जिससे उनके पैर का टखना टूट गया था।

सिंगापुर F1 ग्रां प्री में बिना टिकट घुसा भारतीय नागरिक

सिंगापुर। एक भारतीय नागरिक पर बिना टिकट के फार्मूला-1 सिंगापुर ग्रां प्री इवेंट एरिया में घुसने के आरोप में दो मामले दर्ज किए गए हैं। 39 वर्षीय डावर अरिश आदिल टेमासेक एवेन्यू के गेट-2 पर थे, जब वे नौ अक्टूबर को दोपहर करीब 1.45 बजे (स्थानीय समय) टिकट वाले इलाके में घुस गए। उन पर 10 अक्टूबर को आरोप लगाए गए।

अफ्रीकी देश जिबूती के पास नाव डूबी, 109 की मौत

116 लापता, 305 लोग सवार थे

जिबूती सिटी, एजेंसी



अफ्रीकी देश जिबूती के तट के पास प्रवासियों से भरी नाव डूबने से 109 लोगों की मौत हो गई, जबकि 116 लोग लापता हैं। नाव में करीब 305 लोग सवार थे। हादसे में 80 से ज्यादा लोगों को बचा लिया गया है। संयुक्त राष्ट्र की अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संस्था (IOM) के मुताबिक, सभी जीवित बचे लोग इथियोपिया के नागरिक हैं। हादसा 8 और 9 अक्टूबर की दरमियानी रात जिबूती के ओबॉक शहर के उत्तर में हुआ। IOM के मुताबिक, हादसे के बाद अब तक 109 शव बरामद किए गए हैं। इनमें 52 पुरुष, 42 महिलाएं और 15 बच्चे शामिल हैं। बच्चों में 9 लड़कियां और 6 लड़के हैं।

हादसे में बचे लोगों ने बताया कि नाव जिबूती से यमन जा रही थी। इसी दौरान वह समुद्र में पलट गई। लापता लोगों की तलाश और प्रभावित परिवारों की मदद के लिए IOM की टीमें जिबूती के अधिकारियों के साथ काम कर रही हैं। जिबूती में IOM के मिशन प्रमुख एलेक्जेंडर कोइसाक ने कहा कि यह जानमाल का बेहद दुखद नुकसान है। उन्होंने कहा कि उनकी संवेदनाएं उन परिवारों के साथ हैं, जिन्होंने अपने लोगों को खोया है या अब भी उनकी खबर का इंतजार कर रहे हैं। IOM के मुताबिक, गरीबी, असुरक्षा और जलवायु परिवर्तन के बढ़ते असर के कारण कई लोग रोजगार और बेहतर जिंदगी की तलाश में यह खतरनाक समुद्री रास्ता अपनाते हैं।

एक-दूसरे के ऊर्जा ठिकानों पर हमला नहीं करेंगे ■ समझौता न तोड़ने की चेतावनी दी

रूस और यूक्रेन में एनर्जी सीजफायर हुआ : ट्रम्प

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बताया है कि रूस और यूक्रेन ऊर्जा ठिकानों पर हमले रोकने के लिए सहमत हो गए हैं। उन्होंने रविवार को ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर कहा कि सीजफायर तत्काल प्रभाव से लागू होगा और दोनों देशों को इसका पालन करना चाहिए।

हालांकि, ट्रम्प ने यह नहीं बताया कि सीजफायर कितने समय तक लागू रहेगा। रूस और यूक्रेन की ओर से इस समझौते की आधिकारिक पुष्टि और इसकी शर्तों की जानकारी भी सामने नहीं आई है।

ट्रम्प रूस की तेल रिफानरियों पर यूक्रेन के हमलों को लेकर नाराजगी जाहिर कर चुके हैं। उन्होंने शनिवार



को इन हमलों की आलोचना करते हुए कहा कि इन हमलों से दुनिया में ईंधन की समस्या बढ़ सकती है। दरअसल, यूक्रेन रूस की तेल से जुड़ी सुविधाओं को निशाना बना रहा है। इससे रूस की तेल से होने वाली कमाई और उसकी सेना तक ईंधन पहुंचाने की व्यवस्था को नुकसान पहुंचा है। रूस ने फरवरी 2022 में यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर हमला शुरू किया था। तब से दोनों देशों के बीच युद्ध जारी है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा था कि अगर रूस यूक्रेन के ऊर्जा ठिकानों पर हमले रोक देता है, तो यूक्रेन भी रूसी तेल रिफाइनरियों पर हमले बंद करने को तैयार होगा।

उन्होंने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर पोस्ट कर कहा था कि तनाव कम करने के लिए दोनों देशों को एक साथ कदम उठाने होंगे और इसके लिए पक्की सुरक्षा गारंटी भी जरूरी है।

जेलेंस्की ने कहा कि कुछ नेता युद्ध जारी रहने के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहरा रहे हैं, क्योंकि वे पुतिन को रोकने का तरीका नहीं खोज पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि दूसरों पर दबाव डालने के मुकाबले पुतिन को रोकना ज्यादा मुश्किल है।



यूक्रेन ने 20 सितंबर को रूस की एक तेल रिफाइनरी पर बड़ा ड्रोन हमला किया था। रूसी अधिकारियों के मुताबिक इस हमले में रिफाइनरी को भारी नुकसान पहुंचा था।

जेलेंस्की ने चुनाव कराने के लिए 2 महीने के सीजफायर की मांग रखी

जेलेंस्की ने कहा है कि अगर ट्रम्प और रूसी राष्ट्रपति पुतिन यूक्रेन में चुनाव चाहते हैं, तो रूस को 60 दिन के लिए युद्ध रोकना होगा। जेलेंस्की ने कहा कि इस दौरान पूरी तरह सीजफायर लागू होने पर यूक्रेन चुनाव कराने के लिए तैयार है। 11 अक्टूबर को ABC न्यूज को दिए इंटरव्यू में जेलेंस्की ने कहा कि देश का अगला नेता कौन होगा, यह फैसला यूक्रेन की जनता करेगी। उन्होंने कहा कि यूक्रेन में मार्शल लॉ लागू होने के कारण फिलहाल चुनाव नहीं कराए जा सकते। रूस के हमले के बाद देश में मार्शल लॉ लगाया गया था।

भारत ने हमले रोकने को कहा, 3 दिन में भारतीय नाविकों वाले तीन जहाजों पर हमला

होर्मुज के पास जहाज पर ड्रोन हमला, दो भारतीय लापता

नई दिल्ली, एजेंसी



होर्मुज स्ट्रेट के पास भारतीय क्रू वाले जहाज एमटी पेट्रो डॉल्फिन पर रविवार को ड्रोन से हमला हुआ। जहाज पर सवार 11 भारतीय नाविकों में से 9 को बचा लिया गया, जबकि 2 अब भी लापता हैं। हमले के पीछे कौन है, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। पिछले 3 दिनों में इस क्षेत्र में भारतीय क्रू वाले 3 जहाजों पर हमले हुए हैं। इनमें से एक हमला रविवार को ही एमटी वाल्थेरा पर हुआ था जबकि दूसरा हमला 9 अक्टूबर को एमटी जेम नंबर 2 पर हुआ। भारत ने जहाजों पर होने वाले हमले तुरंत रोकने को कहा है। रविवार को ही मार्शल आइलैंड्स के झंडे वाले टैंकर एमटी वाल्थेरा पर होर्मुज स्ट्रेट में एक ड्रोन या मिसाइल से हमला हुआ। इससे जहाज में आग लग गई। इस टैंकर पर भी 11 भारतीय नाविक सवार थे। सोनोवाल ने बताया कि सरकार जहाज के प्रबंधन से जुड़ी कंपनी के संपर्क में है और नाविकों की सुरक्षा पर नजर रख रही है।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने व्यापारिक जहाजों पर हुए हमलों की निंदा की है। भारत ने सभी पक्षों से तुरंत तनाव कम करने और व्यापारिक जहाजों, नाविकों व नागरिक ठिकानों पर हमले रोकने को कहा है। मंत्रालय ने कहा कि भारतीय नाविकों की सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता है। संघर्ष का हल बातचीत और कूटनीति से निकाला जाना चाहिए। भारत ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री रास्तों से व्यापार को सुरक्षित और बिना रुकावट जारी रखने पर भी जोर दिया। भारत दुनिया में व्यापारिक जहाजों के लिए नाविक उपलब्ध कराने वाले बड़े देशों में शामिल है। जहाजरानी मंत्रालय के मुताबिक, 2025 में भारत में 3.20 लाख से ज्यादा सक्रिय नाविक थे।

लापता नाविकों को खोजने की कोशिश जारी

निकारागुआ के झंडे वाले टैंकर एमटी पेट्रो डॉल्फिन पर ओमान के सोहर बंदरगाह के पास जहाज पर ड्रोन से हमला हुआ।

केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा है कि भारतीय अधिकारी स्थानीय एजेंसियों के साथ मिलकर लापता नाविकों को खोजने की कोशिश कर रहे हैं।

ओमान की राजधानी मस्कट में भारतीय दूतावास भी मामले पर नजर रख रहा है और संबंधित अधिकारियों के संपर्क में है।



अमेरिका और इजराइल की ओर से 28 फरवरी को ईरान पर हमले शुरू किए जाने के बाद से होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों पर हमलों में भारतीय नाविकों की मौत की घटनाएं भी सामने आई हैं।

पिछले हफ्ते विदेश मंत्रालय ने ओमान के तट के पास पनामा के झंडे वाले एक जहाज पर हुए हमले की निंदा की थी। मंत्रालय ने क्षेत्र में जहाजों पर हो रहे हमलों को रोकने और शांति बनाए रखने की अपील की थी।

जियो-बीपी का पेट्रोल 5 और डीजल 3 महंगा

हरियाणा में एक लीटर पेट्रोल 109 और डीजल 97 का हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी



रिलायंस इंडस्ट्रीज की हिस्सेदारी वाली कंपनी जियो-बीपी ने पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ा दिए हैं। कंपनी ने पेट्रोल 5 और डीजल 3 प्रति लीटर महंगा किया है। इस साल कंपनी ने पहली बार कीमतें बढ़ाई हैं। नई कीमतें रविवार से लागू हो गई हैं। इसके बाद पंजाब में जियो-बीपी के पंपों पर पेट्रोल करीब 108.54 और डीजल 99.19 प्रति लीटर बिक रहा है। वहीं, हरियाणा में पेट्रोल की कीमत करीब 109.80 और डीजल की 97.75 प्रति लीटर हो गई है। पिछले 10 दिनों में जियो-बीपी पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ाने वाली देश की दूसरी तेल कंपनी है। इससे पहले 3 अक्टूबर को रोसनेफ्ट के समर्थन वाली नायरा एनर्जी ने पेट्रोल 5 और डीजल 3 प्रति लीटर महंगा किया था। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने इसकी जानकारी दी थी। जियो-बीपी ने सितंबर में एक बार में डीजल की बिक्री 50 लीटर तक सीमित कर दी थी। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के सचिव नीरज मित्तल ने 1 अक्टूबर को कहा था कि सरकार निजी रिफाइनरी कंपनियों के साथ डीजल की बिक्री पर लगी इन पाबंदियों का मुद्दा उठाएगी और उन्हें हटाने के लिए कहेगी।

नायरा एनर्जी ने 3 अक्टूबर को पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ाई हैं। कंपनी ने पेट्रोल के दाम में 5 प्रति लीटर और डीजल में 3 प्रति लीटर का इजाफा किया है।

संकट : नेतन्याहू के खिलाफ माहौल, कई सर्वे में पिछड़े, किसी भी खेमे को बहुमत नहीं

इजराइल में हमास हमले के तीन साल बाद चुनाव

तेल अवीव, एजेंसी

इजराइल में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की कुर्सी पर संकट मंडरा रहा है। 27 अक्टूबर को होने वाले चुनाव से पहले आए 4 प्रमुख सर्वे में से 2 में विपक्षी खेमा आगे है, जबकि एक में दोनों खेमे बराबरी पर हैं और एक में नेतन्याहू का खेमा आगे है।

किसी भी सर्वे में एक भी खेमे को सरकार बनाने के लिए जरूरी सीटें मिलती नहीं दिख रहीं। ऐसे में चुनाव के बाद सत्ता की चाबी छोटे दलों के हाथ में जा सकती है।

इजराइल की संसद में कुल 120 सीटें हैं। सरकार बनाने के लिए किसी भी खेमे को कम से कम 61 सीटों का समर्थन चाहिए। चुनाव से पहले आए चार प्रमुख सर्वे में किसी भी खेमे को यह आंकड़ा मिलता नहीं दिख रहा। 7 अक्टूबर 2023 को हमास के हमले में कई परिवारों ने अपने लोगों को खो दिया था। अब चुनाव में ऐसे परिवारों के बीच भी नेतन्याहू को लेकर अलग-अलग राय सामने आ रही है। किबुत्ज बेरी की मेराव के माता-पिता हमले में मारे गए थे। उनका मानना है कि जिस सरकार के कार्यकाल में इतना बड़ा हमला हुआ, उसे दोबारा सत्ता में नहीं आना चाहिए।





इजराइल में चुनाव से पहले लोगों की राय बंटी

येरुशलम के महाने येहुदा बाजार में चुनावी पोस्टरों के बीच 76 साल के फल विक्रेता अब्राहम लेवी को भरोसा है कि नेतन्याहू फिर सरकार बनाएंगे। वे कहते हैं, 'नेतन्याहू को अपना काम पूरा करना है।'

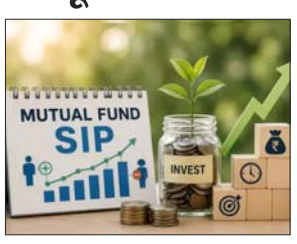
लेकिन इसी शहर की जाफा स्ट्रीट पर दुकानदार इल्डा की राय अलग है। उनका कहना है कि हमास के हमले की जिम्मेदारी नेतन्याहू को लेनी चाहिए। तेल अवीव के जाफा इलाके में रहने वाले तुर्गेमान भी बदलाव चाहते हैं। वे कहते हैं कि वे गादी आइजनकोट का समर्थन करेंगे। लोगों की ये अलग-अलग राय इजराइल के चुनावी माहौल को दिखाती हैं। यहां कुछ लोग नेतन्याहू को दोबारा मौका देना चाहते हैं, तो कुछ हमास के हमले के बाद सरकार की जवाबदेही तय करने की मांग कर रहे हैं। इजराइल में 7 अक्टूबर 2023 को हमास के हमले में करीब 1,200 लोग मारे गए थे। इसके बाद गाजा में इजराइली सैन्य कार्रवाई में 74 हजार से ज्यादा फिलिस्तीनियों की मौत हो चुकी है। करीब तीन साल बाद हो रहे इस चुनाव में सुरक्षा, हमास के हमले की जिम्मेदारी और नेतन्याहू का नेतृत्व बड़े मुद्दे हैं।

इस चुनाव में फिलिस्तीन को अलग देश बनाने का मुद्दा प्रमुख यहूदी दलों की बहस में ज्यादा जगह नहीं पा रहा है। नेतन्याहू फिलिस्तीनी इलाकों पर इजराइल का सुरक्षा नियंत्रण बनाए रखने के पक्ष में हैं। विपक्षी दल भी सुरक्षा के मामले में सख्त रुख रखते हैं।

सितंबर में एसआईपी में 32,490 करोड़ का रिकॉर्ड निवेश

म्यूचुअली फंड इंडस्ट्री का एयूएम 5.1% घटा

नई दिल्ली, एजेंसी



सितंबर 2026 में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेन्ट प्लान यानी SIP के जरिए मंथली कंट्रीब्यूशन यानी निवेश 32,490 करोड़ के नए ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गया है। इससे पहले अगस्त में यह आंकड़ा 32,297 करोड़ रहा था।

अगस्त के मुकाबले सितंबर में SIP कंट्रीब्यूशन में 193 करोड़ यानी लगभग 0.6% की बढ़ोतरी हुई है। इससे पता चलता है कि देश में म्यूचुअली फंड निवेश को लेकर रिटेल निवेशकों का भरोसा लगातार मजबूत हो रहा है।

यह लगातार दूसरा महीना है जब SIP कंट्रीब्यूशन 32,000 करोड़ के पार रहा है। हालांकि, इस दौरान म्यूचुअली फंड इंडस्ट्री के कुल एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (AUM) में गिरावट दर्ज की गई है।

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (AMFI) की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर के महीने में करीब 63 लाख नए SIP अकाउंट रजिस्टर्ड हुए हैं। इसके साथ ही सितंबर के आखिरी तक SIP के जरिए कुल एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (SIP AUM) 17.86 लाख करोड़ के स्तर पर पहुंच गया है। SIP के जरिए निवेशक एकमुश्त रकम लगाने के बजाय हर महीने तय समय पर एक निश्चित राशि म्यूचुअल फंड स्कीम्स में इन्वेस्ट करते हैं। मंथली SIP कंट्रिब्यूशन उस महीने में आई रकम को दर्शाता है, जबकि SIP AUM इन्वेस्ट किए गए पैसों की मौजूदा मार्केट वैल्यू को दिखाता है।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676